SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

दिल्ली सरकार

कक्षा

10

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

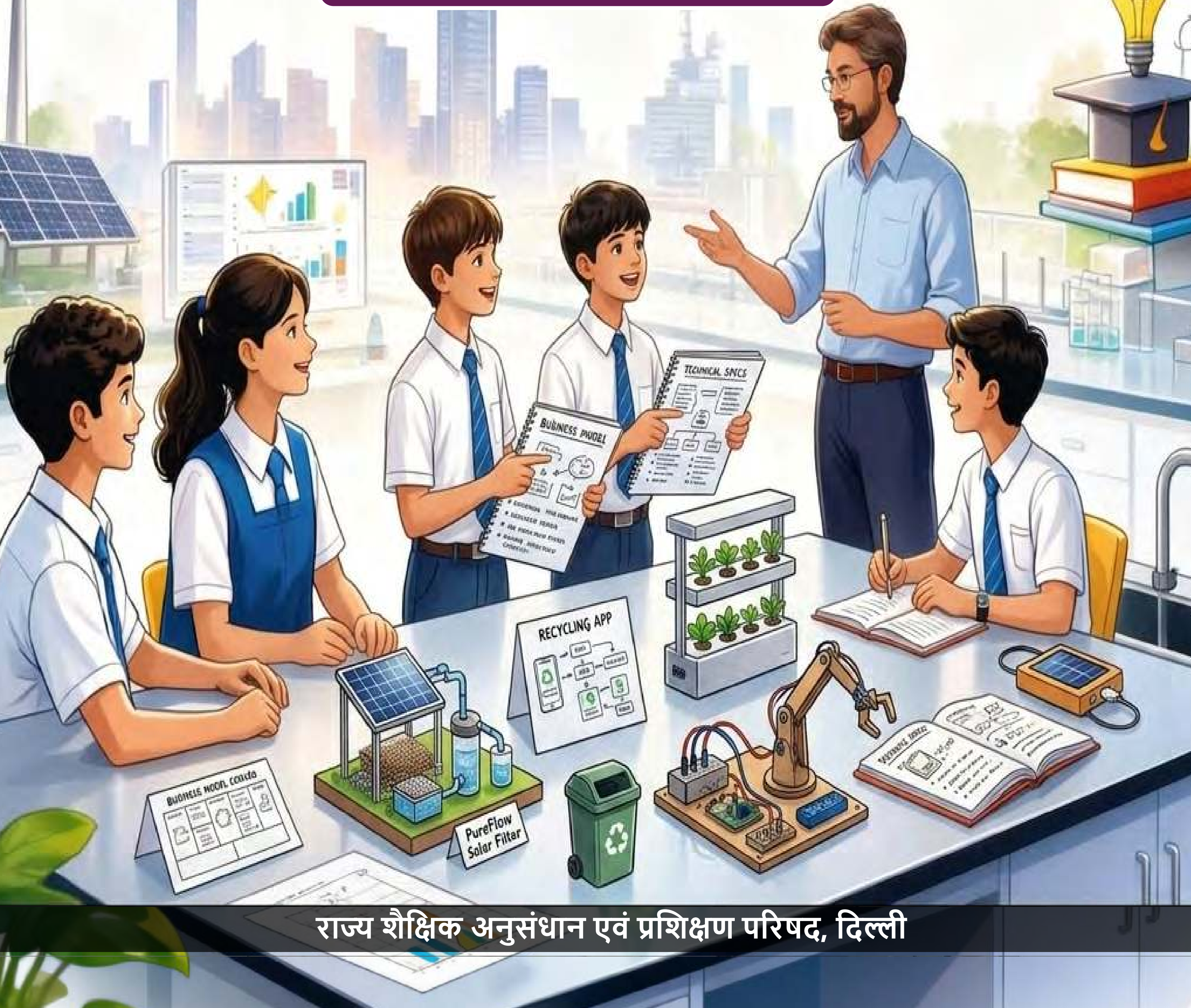

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग
(NEEEV)

सोच से सृजन तक – उद्यमिता की उड़ान

शिक्षक निर्देशिका 2026-27

कक्षा 10

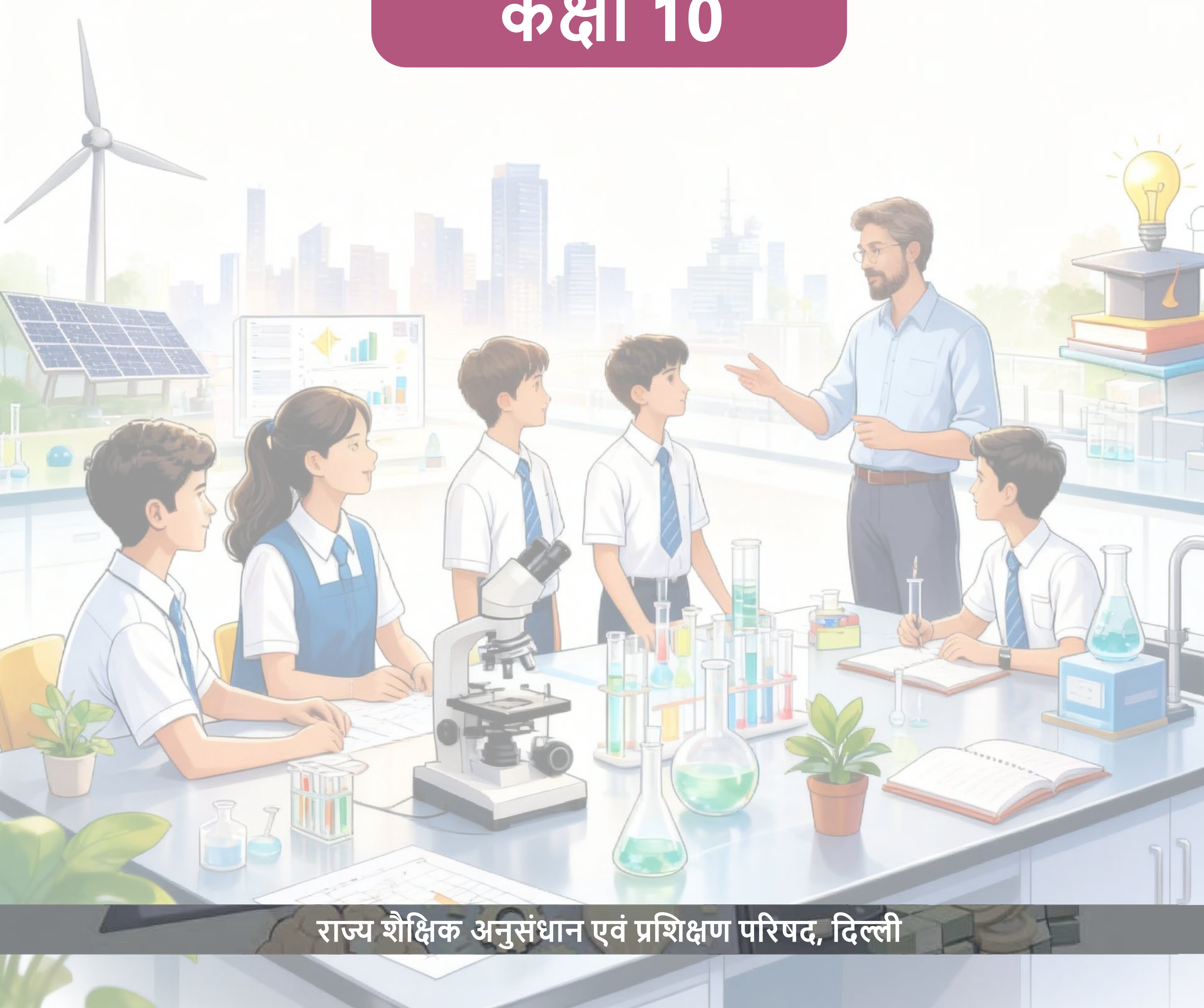

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (नीव) शिक्षक निर्देशिका कक्षा 10
February, 2026
Copies : 3550

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-531-3

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

Printed at : M/s Chandu Press, D-97, Shakarpur, Delhi- 110092.

सत्यमेव जयते

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

Rekha Gupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

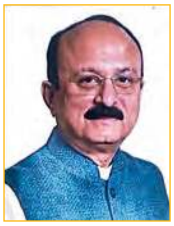

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोज़गार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनकी सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र. स.	अध्याय का नाम	अध्याय के अनुभाग	पृष्ठ संख्या
1	NEEEV: स्टार्टअप यात्रा की शुरुआत	1.1 NEEEV का परिचय 1.2 NEEEV- मिशन, विज़न और उद्देश्य 1.3 NEEEV की संरचना	1 - 4
2	उद्यमिता और समाज	2.1 समाज में उद्यमियों की भूमिका 2.2 नैतिक और सामाजिक उद्यमिता	5 - 9
3	उद्यमिता का परिदृश्य	3.1 व्यवसाय कितना बड़ा है? 3.2 व्यवसाय का मालिक कौन है? 3.3 सहकारी संस्थाएं और कंपनियां - साथ मिलकर काम करना	10 - 14
4	सृजन, संबंध और सहयोग	4.1 स्पष्ट और प्रभावी संप्रेषण 4.2 सह -सृजन और नेटवर्किंग 4.3 बातचीत और मतभेद समाधान	15 - 20
5	SMART लक्ष्य, बड़े विचार	5.1 विजन से एक्शन तक 5.2 नवाचार	21 - 25
6	अपने ग्राहक को पहचानो	6.1 मेरा ग्राहक कौन है? 6.2 प्रोटोटाइप को समझना 6.3 उद्यमिता का 5M सिद्धांत 6.4 प्रोटोटाइप का निर्माण 6.5 अल्फा और बीटा परीक्षण 6.6 फ़ीडबैक और इटरेशन	26 - 33
7	डिजिटल बढ़त हासिल करना	7.1 व्यापार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसका उपयोग 7.2 प्रोटोटाइप को डिजाइन करना और उसका दस्तावेज़ीकरण 7.3 व्यावसायिक प्रगति की योजना बनाना और उसे ट्रैक करना	34 - 39
8	वित्तीय मैट्रिक्स	8.1 वित्तीय मैट्रिक्स को समझना 8.2 लाभ और हानि	40 - 44
9	कानूनी दृष्टिकोण से उद्यमिता	9.1 व्यवसाय पंजीकरण एवं ट्रेडमार्क 9.2 कॉपीराइट की समझ 9.3 रोज़गार एवं श्रम कानून	45 - 51

आइए 'नीव' (NEEEV) योजना के बारे में जानें

उद्यमिता शिक्षा की बदलती आवश्यकताओं के उत्तर में यह शिक्षक निर्देशिका एक व्यावहारिक मार्गदर्शक के रूप में तैयार की गई है, जो केवल सैद्धांतिक अधिगम तक सीमित न रहकर शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन के लिए तैयार करने पर बल देती है। NEEEV दृष्टिकोण पर आधारित यह निर्देशिका अनुभवात्मक तथा शिक्षार्थी -केंद्रित शिक्षण पद्धति को प्रोत्साहित करती है, जिसमें शिक्षक अवसरों की पहचान, समस्या-समाधान, नवाचार तथा मूल्य सृजन को सुगम बनाते हैं।

यह निर्देशिका उद्यमिता पाठ्यक्रम की दृष्टि के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के सिद्धांतों को प्रतिबिंबित करती है, जो दक्षता-आधारित शिक्षा, कौशल विकास, अनुभवात्मक अधिगम तथा रोजगार-योग्यता पर बल देती है। यह स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जो समग्र विकास, अंतर्विषयी अधिगम तथा अनुप्रयोग-आधारित समझ को बढ़ावा देती है। इसके अतिरिक्त, यह सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) से भी जुड़ती है, जो जिम्मेदार, समावेशी और सतत उद्यमशील प्रथाओं को प्रोत्साहित करती है।

संरचित गतिविधियों, चिंतन तथा स्टार्टअप से जुड़े अनुभवों के माध्यम से NEEEV शिक्षार्थियों को आत्मविश्वासी, नैतिक और भविष्य के लिए तैयार ऐसे नागरिक बनने में सहायता करता है, जो समाज और अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान दे सकें।

'नीव' (NEEEV) योजना की संरचना

1. कक्षा आधारित अधिगम
2. NEEEV संवाद
3. विशेष कौशल कार्यशालाएँ
4. उद्योग / इन्क्यूबेशन भ्रमण
5. स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता

प्रत्येक घटक का विस्तृत विवरण आगे के खंडों में दिया गया है।

कक्षा आधारित अधिगम

कक्षा आधारित अधिगम से अभिप्राय साप्ताहिक NEEEV सत्र से है, जो सप्ताह में एक बार व्यवस्थित और सहयोगात्मक तरीके से आयोजित किया जाता है। सभी अवधारणाओं और गतिविधियों के लिए विधार्थी निर्देशिका का पालन किया जाएगा।

शिक्षक इस पुस्तिका में दिए गए क्या करें (DOs) और क्या न करें (DON'Ts) को ध्यान में रखते हुए चर्चा और गतिविधियों का संचालन करेंगे। मुख्य ध्यान व्याख्यान देने के बजाय अनुभवात्मक अधिगम पर रहेगा।

शिक्षक निर्देशिका का प्रभावी उपयोग कैसे करें

क्रियाएँ	क्या करें (DOs)	क्या न करें (DON'Ts)
पहले शिक्षार्थी पुस्तिका का संदर्भ लें	• कक्षा से पहले शिक्षार्थी पुस्तिका पढ़ें • कहानियों, गतिविधियों और साप्ताहिक कार्यों को समझें	• शिक्षार्थी सामग्री को दोहराएँ या लिखवाएँ नहीं • गतिविधियों को समझे बिना कक्षा शुरू न करें
	• प्रश्नों/संकेतों की पहले से योजना बनाएँ • पिछली और अगली कक्षा के बीच निरंतरता सुनिश्चित करें	• शिक्षक पुस्तिका को स्क्रिप्ट की तरह न अपनाएँ
व्याख्या से नहीं, अनुभव से शुरुआत करें	• गतिविधि/कहानी/वास्तविक जीवन के उदाहरण से शुरुआत करें • पहले शिक्षार्थियों को सोचने और प्रतिक्रिया देने दें • अवलोकन और सहभागिता को प्रोत्साहित करें	• शुरुआत परिभाषाओं से न करें • तैयार उत्तर न दें • लंबे व्याख्यानों से कक्षा पर नियंत्रण न रखें
चिंतन और विचार को प्रोत्साहित करें	• खुले प्रश्न पूछें • विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रोत्साहित करें • अधिगम को वास्तविक जीवन से जोड़ें • प्रत्येक शिक्षार्थी को बोलने का अवसर दें	• उत्तरों को सही/गलत का लेबल न दें • चिंतन को जल्दी समाप्त न करें • शांत शिक्षार्थियों को अनदेखा न करें
अन्वेषण के बाद अवधारणाएँ प्रस्तुत करें	• चर्चा के बाद अवधारणाएँ समझाएँ • सारांश के लिए बोर्ड का उपयोग करें • स्पष्टता के लिए कॉन्सेप्ट बॉक्स का संदर्भ लें	• परिभाषाएँ न लिखवाएँ • गतिविधियों को व्याख्यान में न बदलें • अनुभव से पहले अवधारणाएँ प्रस्तुत न करें
उद्यमशील कौशल विकास को समर्थन दें	• समालोचनात्मक सोच पर ध्यान दें • समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करें • रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा दें • संचार और सहयोग कौशल विकसित करें • नैतिक तर्क और निर्णय क्षमता को बढ़ावा दें • आत्मविश्वास विकसित करें	• केवल पाठ्यक्रम पूरा करने पर ध्यान न दें • सीखने की प्रक्रिया से अधिक पूर्णता को प्राथमिकता न दें • असामान्य विचारों को हतोत्साहित न करें
कक्षा प्रबंधन दृष्टिकोण	• सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखें • समावेशी सहभागिता को प्रोत्साहित करें • सहपाठी अधिगम को बढ़ावा दें • प्रयास और सुधार की सराहना करें	• शिक्षार्थियों की नकारात्मक तुलना न करें • उपहास या मजाक की अनुमति न दें • समझ से अधिक गति को प्राथमिकता न दें
साप्ताहिक कार्यों का उपयोग	• उद्देश्य स्पष्ट रूप से समझाएँ • रचनात्मकता को प्रोत्साहित करें • कार्यों को चर्चा के आधार के रूप में उपयोग करें • अगली कक्षा में कार्यों की समीक्षा करें • विभिन्न उत्तरों को स्वीकार करें	• इन्हें परीक्षा की तरह न लें • समान उत्तरों की अपेक्षा न करें • कठोर अंकन न करें

NEEEV संवाद

NEEEV संवाद एक अंतःक्रियात्मक चर्चा मंच है, जिसमें कक्षा 8 से 12 तक के शिक्षार्थी उद्यमियों, पेशेवरों, मार्गदर्शकों या सहपाठियों के साथ संवाद करते हैं और उद्यमिता तथा नवाचार से जुड़े वास्तविक अनुभव साझा करते हैं। यह शिक्षार्थियों को चिंतन के लिए प्रेरित करता है, आत्मविश्वास विकसित करता है और उन्हें सकारात्मक एवं जिम्मेदार कार्य करने के लिए प्रेरित करता है।

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को वास्तविक उद्यमशील यात्राओं और अनुभवों से परिचित कराना।
- संचार, प्रश्न पूछने और सक्रिय सुनने के कौशल विकसित करना।
- चिंतन, समालोचनात्मक सोच और सार्थक चर्चा को प्रोत्साहित करना।
- स्पष्ट और जिम्मेदार तरीके से विचार व्यक्त करने का आत्मविश्वास विकसित करना।
- कक्षा अधिगम को वास्तविक जीवन की समझ और अनुप्रयोग से जोड़ना।
- सकारात्मक पहल और सार्थक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए प्रेरित करना।

NEEEV संवाद के लिए संचालक (Facilitators)	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थियों के लिए प्रमुख सीख
• उद्यमी और स्टार्टअप संस्थापक • उद्योग विशेषज्ञ • स्थानीय व्यवसाय के मालिक • सामाजिक उद्यमी • हरित (ग्रीन) उद्यमी • इन्क्यूबेशन मेंटर्स • विषय विशेषज्ञ या नवाचारकर्ता, यूनिवर्सिटी/डाइट फैकल्टी एवं अन्य	• संचार और प्रश्न पूछने के कौशल • समालोचनात्मक सोच और चिंतन • आत्मविश्वास और आत्म-अभिव्यक्ति • नेटवर्किंग और पारस्परिक कौशल • अवसरों की पहचान की समझ तथा अन्य कौशल	• व्यवसाय में वास्तविक जीवन की चुनौतियाँ और अवसर • उद्यमियों की निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ • दृढ़ता और नवाचार का महत्व • करियर के मार्ग और स्टार्टअप यात्राएँ • वास्तविक अनुभवों से समस्या-समाधान की रणनीतियाँ

3) विशिष्ट कौशल कार्यशालाएं (Specialized Skills Workshops)

विशेष कौशल कार्यशालाएँ ऐसे व्यावहारिक सत्र होते हैं, जिनका उद्देश्य केवल सिद्धांत से आगे बढ़कर शिक्षार्थियों में उद्यमशीलता तथा जीवन से जुड़े उपयोगी कौशल विकसित करना है। इन कार्यशालाओं में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों—जैसे उद्यमी, वित्तीय पेशेवर,यूनिवर्सिटी/डाइट फैकल्टी, विधि सलाहकार, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ, संचार प्रशिक्षक और सामाजिक नवप्रवर्तक—को आमंत्रित किया जा सकता है।

इन सत्रों में डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता, कानूनी मूल बातें, डिज़ाइन थिंकिंग, उत्पाद विकास, एआई उपकरण, स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी), नेतृत्व, वार्ता कौशल, टीमवर्क तथा संरचित पिचिंग जैसे विषय शामिल हो सकते हैं। प्रदर्शन (डेमोंस्ट्रेशन), अभ्यास गतिविधियों, सिमुलेशन और मॉक प्रस्तुतियों के माध्यम से शिक्षार्थी **करके सीखने** (learning by doing) की प्रक्रिया अपनाते हैं।

शिक्षक इन कार्यशालाओं में समन्वय और चिंतन की प्रक्रिया को सुगम बनाते हैं, जिससे शिक्षार्थियों में कौशल का प्रभावी विकास हो सके और वे आत्मविश्वासी, सक्षम तथा भविष्य के लिए तैयार बन सकें।

उद्देश्य

- व्यावहारिक और उद्योग से जुड़े कौशल विकसित करना।
- वास्तविक जीवन के उपकरणों और प्रक्रियाओं से परिचित कराना।

- रोज़गार योग्यता और उद्यमशील तैयारी को बढ़ाना।
- अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) को प्रोत्साहित करना।
- नवाचार और रचनात्मकता को सशक्त बनाना।

NEEEV संवाद के लिए संचालक	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थियों के लिए प्रमुख सीख
• उद्योग विशेषज्ञ • स्टार्टर संस्थापक • डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ • वित्तीय सलाहकार • डिज़ाइनर और नवाचारकर्ता • तकनीकी विशेषज्ञ • संचार और नेतृत्व प्रशिक्षक • विषय विशेषज्ञ या नवाचारकर्ता, यूनिवर्सिटी/डाइट फैकल्टी एवं अन्य	• तकनीकी और विशिष्ट कौशल • नवाचार और रचनात्मकता • अनुकूलनशीलता और सीखने की क्षमता • पेशेवर संप्रेषण कौशल • समस्या-समाधान, व्यावहारिक सोच तथा अन्य कौशल	• कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों का व्यावहारिक अनुप्रयोग • व्यावहारिक कौशल और वास्तविक जीवन की तकनीकों का अनुभव • डिजिटल उपकरणों और तकनीक का उपयोग • पेशेवर संप्रेषण कौशल और टीमवर्क • जीवन की यात्रा में रचनात्मक सोच और समस्या-समाधान

4) उद्योग भ्रमण और इनक्यूबेशन सेल भ्रमण (Industry Visit and Incubation Cell Visit)

उद्योग भ्रमण (Industry Visit) एक संगठित शैक्षिक यात्रा होती है, जिसमें शिक्षार्थी किसी व्यवसायिक संगठन, कारखाने, स्टार्टअप या कंपनी का दौरा करते हैं। इसके माध्यम से वे वास्तविक कार्यप्रणाली को देखते हैं, उत्पादन और प्रबंधन प्रक्रियाओं को समझते हैं तथा कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को उद्योग की व्यावहारिक प्रक्रियाओं से जोड़ते हैं।

इन्क्यूबेशन सेल भ्रमण (Incubation Cell Visit) एक शैक्षिक परिचयात्मक यात्रा है, जिसमें शिक्षार्थी किसी स्टार्टअप इन्क्यूबेशन केंद्र या नवाचार केंद्र का दौरा करते हैं। यहाँ वे सीखते हैं कि प्रारंभिक चरण के व्यावसायिक विचारों को किस प्रकार मेंटरशिप, वित्तीय मार्गदर्शन, बुनियादी ढाँचे, नेटवर्किंग और पेशेवर सहायता के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

उद्देश्य

- व्यवसायिक वातावरण का वास्तविक अनुभव प्रदान करना।
- यह समझना कि स्टार्टअप कैसे कार्य करते हैं और आगे बढ़ते हैं।
- इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप और वित्तपोषण के बारे में सीखना।
- कक्षा में सीखी गई अवधारणाओं को उद्योग की वास्तविक प्रक्रियाओं से जोड़ना।
- उद्यमशीलता और करियर संबंधी आकांक्षाओं को प्रेरित करना।

अन्वेषण के लिए संभावित स्थान	विकसित होने वाले उद्यमशील कौशल	शिक्षार्थियों के लिए प्रमुख सीख
• विनिर्माण उद्योग और कारखाने • स्टार्टअप और छोटे व्यवसाय • सामाजिक उद्यम और गैर-सरकारी संगठन (NGOs) • इन्क्यूबेशन केंद्र और नवाचार प्रयोगशालाएँ • प्रौद्योगिकी कंपनियाँ और आईटी हब • खुदरा और सेवा क्षेत्र के व्यवसाय • वित्तीय संस्थान और फिनटेक स्टार्टअप • रचनात्मक उद्योग (डिज़ाइन, मीडिया, मार्केटिंग) • कृषि-व्यवसाय और सतत-विकास स्टार्टअप्स तथा अन्य संबंधित स्थान	• अवलोकन और विश्लेषणात्मक सोच • पेशेवर संप्रेषण कौशल • उद्योग के प्रति जागरूकता • करियर अन्वेषण और जिज्ञासा • अनुकूलनशीलता और वास्तविक जीवन से सीखने की मानसिकता	• वास्तविक जीवन के व्यावसायिक संचालन और टीम गतिशीलता की समझ • व्यावहारिक परिस्थितियों में नवाचार और समस्या-समाधान का प्रयोग • व्यवसाय मॉडल और ग्राहक सहभागिता की स्पष्ट समझ प्राप्त करना • स्टार्टअप इकोसिस्टम, इन्क्यूबेशन और सहयोगी तंत्र का अन्वेषण • कार्यस्थल की नैतिकता और पेशेवर आचरण के महत्व को समझना

5) स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता (Startup Stormers Competition)

स्टार्टअप स्टॉर्मर्स प्रतियोगिता एक मार्गदर्शित, गतिविधि-आधारित उद्यमशील मंच है, जहाँ शिक्षार्थी टीमों में मिलकर वास्तविक समस्याओं की पहचान करते हैं, उनके लिए नवाचारी और व्यवहार्य समाधान तैयार करते हैं, और उन्हें एक सुव्यवस्थित स्टार्टअप या सामाजिक उद्यम के विचार के रूप में विकसित करते हैं। इसमें शोध, डिज़ाइन थिंकिंग, बजट बनाना, विपणन रणनीति, प्रोटोटाइप निर्माण और औपचारिक पिचिंग जैसी प्रक्रियाओं को एक समग्र अधिगम अनुभव के रूप में एकीकृत किया जाता है।

यह केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक अनुकरणीय उद्यमशील यात्रा (simulated entrepreneurial journey) है, जो शिक्षार्थियों को रचनात्मकता, समस्या-समाधान, टीमवर्क, नेतृत्व और व्यावसायिक अवधारणाओं के व्यावहारिक प्रयोग के लिए प्रेरित करती है। इसके माध्यम से शिक्षार्थी आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ अपने विचारों को व्यवहारिक समाधानों में बदलना सीखते हैं।

उद्देश्य

- नवाचार, विचार-सृजन और अवसर-आधारित सोच को प्रोत्साहित करना।
- समस्या-समाधान, प्रोटोटाइप विकास और समाधान की वैधता जाँच (validation) के कौशल विकसित करना।
- स्टार्टअप की योजना, क्रियान्वयन और प्रतिस्पर्धात्मक रणनीति से संबंधित दक्षताओं का विकास करना।
- डिजिटल साक्षरता, एआई जागरूकता, विपणन, ब्रांडिंग और वित्तीय प्रबंधन कौशल को सशक्त बनाना।
- संचार, सहयोग, नेतृत्व और संरचित पिचिंग क्षमताओं को सुदृढ़ करना।
- दृढ़ता, अनुकूलनशीलता और उद्यमशील निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना।
- अधिगम को वास्तविक बाज़ार की चुनौतियों और मूल्य सृजन से जोड़ना।
- भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देने वाले भविष्य-तैयार उद्यमियों को विकसित करना।

विभिन्न कक्षाओं में एक प्रगति के रूप में 'स्टार्टअप स्टॉर्मर्स'

चरण 1: उद्यमशीलता की नींव (कक्षा 8)
केंद्र बिंदु: NEEEV का परिचय और अवसरों के प्रति जागरूकता
• NEEEV ढाँचे की अवधारणात्मक समझ विकसित करना। • अवसरों की खोज करने वाली मानसिकता विकसित करना। • दैनिक जीवन की समस्याओं और अपूर्ण आवश्यकताओं की पहचान करना। • रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना तथा प्रेरणादायक स्टार्टअप यात्राओं से परिचित होना। **वर्षांत उपलब्धि:** शिक्षार्थी जिज्ञासा, अवलोकन क्षमता और मूल्य सृजन की सोच विकसित करते हैं।

चरण 2: आइडियेशन एवं टीम गठन (कक्षा 9)	चरण 3: प्रोटोटाइप निर्माण एवं परीक्षण (कक्षा 10)
केंद्र बिंदु: सहयोगात्मक समस्या पहचान और विचार उत्पन्न करना	**केंद्र बिंदु:** प्रोटोटाइप निर्माण और परीक्षण
• 5 सदस्यों की संरचित उद्यमशील टीमों का गठन • समदुाय / स्थानीय चुनोंतियों की पहचान • संरचित ब्नरेस्टॉर्मिंग और विविध सोच • व्यवहार्यता जाँच और उपयक्तु विचार का चयन **वर्षांत उपलब्धि:** छात्र टीमवर्क, विचार निर्माण क्षमता और संरचित समस्या विश्लेषण का प्रदर्शन करते हैं।	• मलभूत बाज़ार अनसुंधान और उपयोगकर्ता की समझ • न्यून्यूतम व्यवहार्य उत्पाद (MVP) या प्रोटोटाइप का विकास • साथियों / समदुाय के साथ फील्ड परीक्षण • प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर पुनरावृत सुधार **वर्षांत उपलब्धि:** छात्र प्रयोगात्मक कौशल, सत्यापन तकनीकें और पनुरावत्तृ सोच क्षमता विकसित करते हैं।

चरण 4: उद्यम डिज़ाइन और बाज़ार क्रियान्वयन (कक्षा 11)	चरण 5: इन्क्यूबेशन और भविष्यगत परिवर्तन (कक्षा 12)
केंद्र बिंदु: व्यवसाय योजना, वित्तीय सहायता (₹20,000 प्रति टीम) और बाज़ार स्थिति निर्धारण	**केंद्र बिंदु:** उद्यम को सुदृढ़ बनाना और उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ाव
• व्यवसाय मॉडल और मूल्य प्रस्ताव (Value Proposition) का विकास • बजट बनाना, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण और वित्तीय योजना • विपणन, ब्रांडिंग और संचालन रणनीति • ₹20,000 के वित्तीय सहयोग का जिम्मेदार उपयोग • उत्पाद में सुधार, बाज़ार मान्यता (Market Validation) और प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति निर्धारण • निवेशक-शैली (Investor-style) पिच प्रस्तुति **वर्षांत उपलब्धि:** शिक्षार्थी वित्तीय अनुशासन, रणनीतिक योजना, बाज़ार तैयारी और पेशेवर पिचिंग क्षमता का प्रदर्शन करते हैं।	• अपने स्टार्टअप मॉडल को परिष्कृत और स्थिर बनाना • वास्तविक या अनुकरणीय (Simulated) बाज़ार में उद्यम का संचालन या पायलट परीक्षण • डेमो डे या निवेशक-शैली प्रस्तुतियों के माध्यम से उद्यम का प्रदर्शन • इन्क्यूबेशन केंद्रों, मेंटर्स और स्टार्टअप नेटवर्क से जुड़ाव • बाहरी प्रतियोगिताओं, फंडिंग अवसरों और भविष्य के मार्गों का अन्वेषण **वर्षांत उपलब्धि:** शिक्षार्थी उद्यम की परिपक्वता, पारिस्थितिकी तंत्र की समझ और इन्क्यूबेशन, उच्च शिक्षा, रोज़गार या स्वतंत्र उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने की तैयारी का प्रदर्शन करते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थी निर्देशिका और शिक्षक निर्देशिका को परस्पर पूरक उपकरणों के रूप में उपयोग करें। संचालन करते समय विस्तृत व्याख्याओं, कहानियों और गतिविधि पत्रकों के लिए विद्यार्थी निर्देशिका का संदर्भ लें।
- इस निर्देशिका में दिए गए संकेतात्मक उत्तरों का उपयोग केवल मार्गदर्शन के रूप में करें। शिक्षार्थियों को विविध उत्तर और दृष्टिकोण साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- यह निर्देशिका विषय की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करती है—अर्थात यह बताती है कि इस अवधारणा को अध्याय में क्यों शामिल किया गया है और यह समग्र अधिगम उद्देश्यों को कैसे समर्थन देती है।
- **पूर्व ज्ञान से जोड़ें (Connecting the Dots)** खंड का उपयोग पिछली कक्षा की संक्षिप्त पुनरावृत्ति के रूप में करें, ताकि निरंतरता बनी रहे और समझ सुदृढ़ हो।
- संकल्पना (Concept Box) के अंतर्गत दिए गए अवधारणाओं के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए QR कोड का संदर्भ लें।
- अवधारणाओं को निर्देशिका के स्थानीय संदर्भ, दैनिक अनुभवों और समुदाय के उदाहरणों से जोड़कर अधिगम को सार्थक बनाएं।
- जिज्ञासा और गहन चिंतन को बढ़ावा देने के लिए कहानी-कथन, केस स्टडी, परिस्थितिजन्य उदाहरण और वास्तविक जीवन की समस्याओं पर चर्चा का उपयोग करें।
- निर्देशिका के गतिविधि शुरू करने से पहले स्पष्ट और चरणबद्ध निर्देश दें तथा प्रत्येक गतिविधि का उद्देश्य समझाएँ।
- समूह कार्य के दौरान सक्रिय रूप से अवलोकन करें और सुनिश्चित करें कि सभी शिक्षार्थियों की समावेशी और संतुलित भागीदारी हो।
- समय, कक्षा की परिस्थितियों और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार गतिविधियों को अनुकूलित करें, परंतु अधिगम उद्देश्य में परिवर्तन न करें।
- छोटे प्रयासों, रचनात्मक विचारों और शिक्षार्थियों की पहल की सराहना करें, ताकि उद्यमशील मानसिकता विकसित हो सके।
- प्रक्रिया-आधारित और अवलोकनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान दें। केवल सही उत्तरों की अपेक्षा भागीदारी, सहयोग, रचनात्मकता और चिंतन अधिक महत्वपूर्ण हैं।
- प्रत्येक सत्र के अंत में संक्षिप्त चिंतन, मुख्य सीख, या जीवन से जुड़े उदाहरण प्रस्तुत करें, ताकि अधिगम को सुदृढ़ किया जा सके।

QR कोड आधारित सीखने की रूपरेखा

शिक्षक निर्देशिका QR कोड	पूर्व ज्ञान से जोड़ें (Connecting the Dots) QR कोड	संकल्पना (Concept Box) QR कोड
यह शिक्षक को उसी अध्याय के डिजिटल रूप (कक्षा 10 शिक्षक पुस्तिका) को देखने में मदद करता है, जिसे वे अभी छपी हुई किताब में पढ़ रहे हैं।	पूर्व ज्ञान से जोड़ें (Connecting the Dots) खंड की शुरुआत में QR कोड दिया गया है। इससे फैसिलिटेटर पिछली कक्षा (कक्षा 9) की विद्यार्थी निर्देशिका के संबधित अध्याय को देख सकते हैं, जिससे पढ़ाई में निरंतरता बनी रहती है और विषय को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है।	सभी अध्यायों की संकल्पना के (Concept Boxes) लिए QR code डालें C4Z7K2

मूल्यांकन

'NEEEV में मूल्यांकन एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षार्थियों के सीखने को देखना, दर्ज करना और उसे आगे बढ़ाने में सहायता करना शामिल है, ताकि उनकी प्रगति स्पष्ट और मापी जा सके। इससे संचालक (Facilitator) यह समझ पाते हैं कि विद्यार्थी उद्यमिता से जुड़ी कौशलों को कैसे विकसित कर रहे हैं, गतिविधियों में किस प्रकार भाग ले रहे हैं, और जो सीखते हैं उसे कैसे लागू कर रहे हैं।

नियमित प्रतिक्रिया (Feedback) और अभिलेखन (Documentation) के माध्यम से मूल्यांकन यह सुनिश्चित करता है कि कक्षा की गतिविधियाँ संगठित हों, पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के अनुरूप हों और अर्थपूर्ण कौशल विकास पर केंद्रित हों।

मूल्यांकन के प्रकार

स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment):

शिक्षार्थियों द्वारा अपने सीखने और विकास पर व्यक्तिगत चिंतन के लिए। यह निर्देशिका (Student Manual) के अंत में दिया गया है।

सहपाठी मूल्यांकन (Peer Assessment):

टीम के साथियों के टीमवर्क और योगदान का आकलन करने के लिए। यह भी निर्देशिका के अंत में दिया गया है।

संचालक मूल्यांकन (Facilitator Assessment):

पूरे वर्ष के दौरान शिक्षार्थियों की देखी जा सकने वाली प्रगति को दर्ज करने के लिए।

मानकीकृत मूल्यांकन प्रारूप निर्देशिका (Teacher Manual) के अंत में संलग्न है, और दस्तावेज़ीकरण तथा मूल्यांकन के लिए उसी का पालन करना आवश्यक है।

अध्यायों का मुख्य विद्यालयी विषयों के साथ संबंध

अध्याय 2: उद्यमिता और समाज

संबंधित मुख्य विषय

- → सामाजिक विज्ञान (नागरिक शास्त्र एवं अर्थशास्त्र): समाज में उद्यमियों की भूमिका, सहकारी संस्थाएँ, रोज़गार और समावेशी विकास को समझना।
- → भाषा (हिंदी/अंग्रेज़ी): कहानियाँ पढ़ना, चर्चा करना, चिंतन करना तथा अपने विचार और मूल्यों को व्यक्त करना।

अध्याय 3: उद्यमिता का परिदृश्य

संबंधित मुख्य विषय

- → सामाजिक विज्ञान (भूगोल एवं नागरिक शास्त्र): स्थानीय समस्याओं, समुदाय की आवश्यकताओं और सामाजिक चुनौतियों की पहचान करना।
- → विज्ञान: अवलोकन, प्रश्न पूछना और तार्किक सोच के माध्यम से समस्याओं की पहचान करना।
- → भाषा: समस्याओं का स्पष्ट वर्णन करना, विचारों को समझाना और समाधान प्रस्तुत करना।

अध्याय 4: सृजन, संबंध और सहयोग

संबंधित मुख्य विषय

- → भाषा (हिंदी/अंग्रेज़ी): बोलना, सुनना, प्रश्न पूछना, समूह चर्चा, समझाने और प्रस्तुति देने की कौशल।

- सामाजिक विज्ञान (नागरिक शास्त्र): टीमवर्क, विवाद समाधान और लोकतांत्रिक निर्णय लेना।

अध्याय 5: SMART लक्ष्य, बड़े विचार

संबंधित मुख्य विषय

- गणित: SMART लक्ष्यों में माप, समय-सीमा और तार्किक योजना शामिल होती है।
- भाषा: लक्ष्य लिखना, अपने दृष्टिकोण (Vision) को समझाना और विचारों पर चिंतन करना।
- विज्ञान: प्रयोग, नवाचार और बार-बार सुधार करने की सोच।
- कला एवं डिज़ाइन: रचनात्मक सोच और सामान्य वस्तुओं को नए तरीके से डिज़ाइन करना।

अध्याय 6: अपने ग्राहक को पहचानो

संबंधित मुख्य विषय

- विज्ञान: प्रोटोटाइप बनाना, परीक्षण, प्रयोग, सुधार और अवलोकन।
- गणित: संसाधन योजना (5M) और व्यवहार्यता के बारे में सोचना।
- सामाजिक विज्ञान (अर्थशास्त्र): बाज़ार की आवश्यकताएँ, ग्राहक, उत्पादन और सेवाएँ।
- कला एवं शिल्प: मॉडल बनाना, स्केच तैयार करना और भौतिक प्रोटोटाइप बनाना।

अध्याय 7: डिजिटल बढ़त हासिल करना

संबंधित मुख्य विषय

- कंप्यूटर विज्ञान / आईटी: एआई, चैटबॉट, स्प्रेडशीट, प्रस्तुति और डिजिटल उपकरण।
- गणित: डेटा रिकॉर्ड करना, विश्लेषण करना, चार्ट बनाना और लाभ का रिकॉर्ड रखना।
- भाषा: दस्तावेज़ बनाना, डिजिटल प्रस्तुति तैयार करना और सर्वेक्षण प्रश्न तैयार करना।
- सामाजिक विज्ञान: व्यवसाय और समाज में तकनीक की भूमिका।

अध्याय 8: वित्तीय मैट्रिक्स

- संबंधित मुख्य विषय
- गणित: बजट बनाना, लाभ-हानि की गणना, औसत और कुल निकालना।
- अर्थशास्त्र: आय, खर्च, बचत और वित्तीय योजना।

अध्याय 9: कानूनी दृष्टिकोण से उद्यमिता

- संबंधित मुख्य विषय
- नागरिक शास्त्र / राजनीति विज्ञान: कानून, अधिकार, कर्तव्य, निष्पक्षता और न्याय।
- अर्थशास्त्र: व्यवसाय पंजीकरण, श्रम कानून और कानूनी अनुपालन।
- भाषा: कानूनी शब्दों को समझना और नैतिक विचारों को व्यक्त करना।

अध्याय 01

NEEEV – स्टार्टअप यात्रा की शुरुआत

A6G7C1

कालांश: 2

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- NEEEV कार्यक्रम के उद्देश्य और दृष्टि को समझने में।
- NEEEV में निहित प्रमुख उद्यमशील मूल्यों की पहचान करने में।
- भविष्य के नवप्रवर्तक (innovator) और समस्या-समाधानकर्ता के रूप में अपनी क्षमता पर विचार करने में।

अध्याय का औचित्य

किशोरावस्था एक महत्वपूर्ण विकासात्मक चरण है, जब शिक्षार्थी अपनी पहचान, आत्मविश्वास और भविष्य की आकांक्षाओं को आकार देना शुरू करते हैं। इस अवधि में उद्यमशील सोच से परिचय, आत्मविश्वास और पहल की भावना विकसित करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाता है। यह शिक्षार्थियों को केवल निष्क्रिय रूप से सीखने के बजाय सक्रिय रूप से समस्या-समाधान और नवाचार में भाग लेने के लिए प्रेरित करता है। नेतृत्व गुणों और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करके शिक्षार्थी स्वयं को समाज के सक्षम योगदानकर्ता के रूप में देखने लगते हैं, न कि केवल ज्ञान प्राप्त करने वाले के रूप में।

इस चरण में उद्यमशील शिक्षा कक्षा में होने वाले अध्ययन और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच की दूरी को भी कम करती है, जिससे शिक्षा अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनती है। NEEEV पहल के माध्यम से शिक्षार्थियों को आवश्यक जीवन कौशल, नैतिक मूल्य और सामाजिक जागरूकता विकसित करने के लिए मार्गदर्शन दिया जाता है। इससे वे आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनते हैं, जो अपने लिए और दूसरों के लिए अवसरों का सृजन कर सकते हैं।

अध्याय का केंद्र बिंदु	उद्यमशील सोच और जीवन कौशल विकसित करना
संरेखित (SDGs) एसडीजी	**SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** कौशल-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देता है। **SDG 8: उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि** उद्यमशील क्षमता का निर्माण करता है। **SDG 9: उद्योग, नवाचार और अवसंरचना** नवाचार की सोच को प्रोत्साहित करता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	उद्यमशील और रोजगार योग्यता कौशलों के प्रति दृष्टिकोण विकसित करता है। साथ ही शिक्षार्थियों को जिम्मेदार, भविष्य के लिए तैयार और सतत विकास में योगदान देने वाला नागरिक बनने के लिए तैयार करता है।

एनईपी (NEP) 2020 के साथ सरेखण	
	➢ अनुभवात्मक अधिगम ➢ कौशल विकास 21वीं सदी के कौशल समग्र शिक्षा ➢ आलोचनात्मक और रचनात्मक चिंतन

1.1 NEEEV का परिचय

उद्देश्य

- NEEEV के अर्थ और दृष्टि को समझना।
- उद्यमिता को एक सोच/ मानसिकता के रूप में पहचानना।
- NEEEV के मूल्यों को दैनिक जीवन से जोड़ना।

कक्षा संवाद और चिंतन

☞ आवश्यक-सामग्री: ब्लैकबोर्ड / चार्ट पेपर

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थी पुस्तिका से संवाद को पुनः प्रस्तुत करें।
- शिक्षार्थियों से पूछें:
  - क्या अंक सबसे अधिक महत्वपूर्ण होते हैं?
  - यदि दो शिक्षार्थियों के अंक समान हों तो क्या होगा?
- शिक्षार्थियों द्वारा बताए गए कौशलों की सूची बनाएं।
- 'करके सीखने' (**Learning by Doing**) की अवधारणा का परिचय दें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- खुली चर्चा के लिए प्रोत्साहित करें।
- अंकों को पूरी तरह नकारें नहीं; बातचीत में संतुलन बनाए रखें।
- कौशलों को वास्तविक जीवन की सफलता की कहानियों से जोड़ें।

चर्चा के प्रश्न

- 'करके सीखने' का क्या अर्थ है?
- क्या आप विद्यालय जीवन से इसका कोई उदाहरण दे सकते हैं?
- आज के भारत में कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं?
- **विकसित होने वाले उद्यमिता कौशल:** आलोचनात्मक सोच, संवाद कौशल, आत्म-चिंतन, जागरूकता

समीक्षा

- अंक शैक्षणिक प्रदर्शन को मापते हैं। कौशल वास्तविक जीवन में सफलता निर्धारित करते हैं। NEEEV इन दोनों को एक साथ जोड़ता है।

गतिविधि 1.1 आप क्या करेंगे?

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

☞ 'भूली हुई प्रोजेक्ट फ़ाइल' (Forgotten Project File) की स्थिति प्रस्तुत करें।

☞ शिक्षार्थियों को 2–3 मिनट तक शांत होकर सोचने के लिए कहें।

☞ शिक्षार्थियों को आपस में चर्चा करने दें।

☞ शिक्षार्थियों को स्वेच्छा से अपने समाधान साझा करने के लिए कहें।।

☞ संसाधनशीलता पर विशेष ध्यान दें।

फैसिलिटेटर फोकस

चर्चा को इस दिशा में ले जाएँ:

- चर्चा को 'यह क्यों हुआ?' से आगे ले जाते हुए 'अब क्या किया जा सकता है?'

उद्यमिता से जुड़ी समझ

अधिकतर लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं; जबकि उद्यमी संभावनाओं की तलाश करते हैं।

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल

- निर्णय लेने की क्षमता
- अनुकूलन क्षमता
- संसाधनों का उपयोग
- भावनात्मक संतुलन

कहानी का समय– समस्या को बड़े विचार में बदलना

कहानी चर्चा: तिलक मेहता

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. तिलक की यात्रा का संक्षेप में वर्णन करें।
2. इकोसिस्टम (Ecosystem) तालिका को समझाएँ।
3. कक्षा को समूहों में विभाजित करें।
4. प्रत्येक समूह को इकोसिस्टम के एक भाग की जिम्मेदारी दें:
   - o उद्यमी
   - o माता-पिता
   - o मार्गदर्शक
   - o डब्बावाले
   - o निवेशक
   - o ग्राहक
5. शिक्षार्थियों से पूछें: अगर यह भाग मौजूद न हो तो क्या होगा?

चर्चा के प्रश्न

- तिलक को कौन-सी समस्या का सामना करना पड़ा?
- इकोसिस्टम क्यों महत्वपूर्ण था?
- क्या शिक्षार्थी भी अपना इकोसिस्टम बना सकते हैं?

विकसित होने वाले उद्यमी कौशल: प्रणालीगत सोच, सहयोग, नेतृत्व, अवसर की पहचान

समीक्षा

जब किसी विचार को एक मजबूत सहयोगी समूह का समर्थन मिलता है तो वह और अधिक प्रभावशाली बन जाता है। उद्यमिता की यात्रा अकेले नहीं होती, बल्कि इसमें अनेक लोगों का सहयोग होता है।

1.2 मिशन, विज़न और उद्देश्य

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को विज़न (दृष्टि), मिशन (अभियान/कार्य-दिशा) और उद्देश्य के बीच अंतर समझने में सहायता करना और उन्हें NEEEV के लक्ष्यों से जोड़ना।
- शिक्षार्थियों में यह समझ विकसित करना कि NEEEV के विभिन्न घटक अनुभवात्मक और उद्यमिता आधारित सीखने को कैसे समर्थन देते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. पट्ट (board) पर लिखें:
   a. दृष्टि (VISION)
   b. अभियान/कार्य-दिशा (MISSION)
   c. उद्देश्य (AIM)
2. शिक्षार्थियों से इन तीनों के बीच अंतर बताने के लिए कहें।
3. समझाएँ:

- दृष्टि दृष्टि (VISION) = दीर्घकालिक सपना
- कार्य-नीति (MISSION) = उस सपने को प्राप्त करने का तरीका
- उद्देश्य (AIM) = तात्कालिक लक्ष्य

मुख्य घटकों पर चर्चा

संक्षेप में समझाएँ:

- NEEEV पाठ्यक्रम
- NEEEV संवाद आधारित शिक्षण
- नवाचार समूह (स्टार्टअप समूह)
- विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाएँ
- उद्योग भ्रमण

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

अनुभव के माध्यम से सीखने के महत्व पर विशेष जोर दें।

1.3 NEEEV की संरचना

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को SIC–ZIC–DIC संरचना का वर्णन करने और यह समझाने में सक्षम बनाना कि NEEEV ढाँचे के भीतर नवाचार के लिए सहायता कैसे प्रवाहित होती है।
- शिक्षार्थियों को 'Spot–Question–Connect' दृष्टिकोण का उपयोग करके वास्तविक जीवन की किसी समस्या की पहचान करने और उसके समाधान के लिए सहयोगी तंत्र आधारित सहायता प्रस्तावित करने के लिए मार्गदर्शन देना।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. पट्ट पर पिरामिड का चित्र बनाकर दिखाएँ:

   विद्यालय → ज़ोन → ज़िला
2. विचारों के ऊपर की ओर प्रवाह और सहयोग के नीचे की ओर प्रवाह को समझाएँ।

साप्ताहिक कार्य: Spot – Question – Connect

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थियों से किसी बार-बार होने वाली समस्या की पहचान करने के लिए कहें।
2. सुनिश्चित करें कि प्रश्न 'क्यों' या 'कैसे' से शुरू हो।
3. उन्हें यह सोचने में मदद करें कि सहयोगी तंत्र (ecosystem) से किस प्रकार सहायता मिल सकती है।
4. शिक्षार्थियों को व्यावहारिक और वास्तविक विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

अध्याय 02

उद्यमिता और समाज

P7Y7A6

कालांश: 2

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझाने में कि किस प्रकार उद्यमी समस्याओं का समाधान खोजकर, रोजगार के अवसर पैदा करके और व्यावसायिक स्थिरता के साथ-साथ सामाजिक प्रभाव के बीच संतुलन बनाकर समाज के विकास में अपना योगदान देते हैं।
- वास्तविक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करके नैतिक और सामाजिक रूप से उत्तरदायी उद्यमशीलता प्रथाओं की पहचान करने के लिए 'ट्रिपल बॉटम लाइन पद्धति' (Triple Bottom Line) लागू करने में।

U5T3A1

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा कि उद्यमिता एक मानसिक दृष्टिकोण है, जो केवल व्यवसाय शुरू करने या धन कमाने तक सीमित नहीं है।
- उद्यमियों से जुड़े सामान्य भ्रमों और तथ्यों को जाना और यह समझा कि उद्यमी सामान्य व्यक्ति ही होते है, जिनके गुणों को सीखा जा सकता है।
- यह सीखा कि उद्यमिता में समस्याओं का समाधान, सृजनात्मकता, पहल करना और उत्तरदायित्वपूर्ण निर्णय लेना सम्मिलित है।
- उद्यमिता के मुख्य लक्षणों की पहचान की, जैसे कि जिज्ञासा, समानुभूति, विपरीत परिस्थितियों में डटे रहना और नए विचारों को अपनाने की इच्छा।
- यह देखा कि उद्यमी लक्षण विद्यालय, घर और समुदाय की दैनिक जीवन की परिस्थितियों में कैसे दिखाई देते हैं।
- यह स्वीकार किया कि चुनौतियां और असफलताएं सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं और जो हमें और बेहतर बनाती हैं।
- अपने स्वयं के सामर्थ्य और सुधार के क्षेत्रों पर विचार किया, जिससे आत्मविश्वास और आत्म-जागरूकता बढ़ी।

अध्याय का औचित्य

शिक्षार्थी प्रायः उद्यमिता को केवल धन और व्यक्तिगत सफलता से जोड़कर देखते हैं। यह अध्याय उस समझ का विस्तार करता है और यह स्पष्ट करता है कि उद्यमिता—जीवन की गुणवत्ता सुधारने, समुदायों को सशक्त बनाने, निष्पक्षता, गरिमा एवं समावेश को बढ़ावा देने तथा संसाधनों के उत्तरदायित्वपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सामाजिक दृष्टिकोण से उद्यमिता को समझकर, शिक्षार्थी उद्यमी सोच के साथ-साथ समानुभूति, नैतिक तर्क और उत्तरदायी नागरिकता विकसित करते हैं; जिससे वे उद्यमिता को समाज में अर्थपूर्ण और सकारात्मक परिवर्तन लाने के एक सशक्त साधन के रूप में देख पाते हैं।

अध्याय का केंद्र बिंदु	अवलोकन के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करना
सरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** यह विषय वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान के माध्यम से अवलोकन, प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति और समालोचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है। **SDG 11: संधारणीय शहर और समुदाय** शिक्षार्थी अपने आसपास के दैनिक मुद्दों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं, जिससे सामुदायिक आवश्यकताओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ती है। **SDG 8: उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि** समस्याओं की सटीक पहचान करना उन उद्यमशील समाधानों की ओर पहला कदम है, जो समाज में मूल्य और जीविका के अवसरों का सृजन करते हैं।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	यह सामुदायिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाता है और समाधान खोजने की दिशा में समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता को पहले कदम के रूप में प्रोत्साहित करता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ सरेखण	➢ यह दृष्टिकोण अनुभवात्मक और पूछताछ-आधारित अधिगम के साथ दृढ़ता से जुड़ा हुआ है। ➢ केवल पाठ्यपुस्तकों के बजाय वास्तविक दुनिया के संदर्भों के अवलोकन के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करता है। ➢ यह केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहने के बजाय, वास्तविक दुनिया के संदर्भों और प्रत्यक्ष अवलोकन के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करता है। ➢ यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में रेखांकित दो मुख्य दक्षताओं—समालोचनात्मकता और जिज्ञासा—के विकास पर केंद्रित है।

2.1 समाज में उद्यमियों की भूमिका

उद्देश्य

- पहचानें कि कैसे भारतीय उद्यमियों ने जीवन में सुधार किया है और रोज़गार के अवसर पैदा किए हैं।
- पहचानें कि कैसे उद्यमिता सामाजिक और आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देती है।

गतिविधि 2.1 उद्यमी की दुविधा: प्रभाव बनाम व्यवहार्य व्यवसाय

आवश्यक सामग्री

☞ दो बड़े संकेत बोर्ड:

- उच्च सामाजिक / पर्यावरणीय प्रभाव
- वित्तीय रूप से सक्षम एवं विस्तार योग्य व्यवसाय

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. दोनों संकेत बोर्ड को कक्षा के दोनों ओर लगायें लगाएँ।
2. शिक्षार्थियों को निर्देश दे कि वे व्यवसाय से जुड़ी एक छोटी परिस्थिति सुनेंगे।
3. प्रत्येक परिस्थिति के बाद, शिक्षार्थियों को सोचने और एक संकेत बोर्ड की ओर जाने के लिए 15 सेकंड का समय दें।
4. 3-4 शिक्षार्थियों को अपना चुनाव समझाने के लिए बुलाएँ।
5. इस बात पर बल दें कि सिर्फ़ एक सही उत्तर नहीं है।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शीघ्र सोचने और सच्चे चुनाव के लिए प्रोत्साहित करें।
- उत्तरों को सुधारने से बचें; इसके बजाय तर्क की गहराई जानें।

कहानी का समय: वो किसान जिसने शोषण के विरुद्ध जीत हासिल की: अमूल की कहानी

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- कहानी को भावनाओं और उचित विराम के साथ सुनाएँ।
- समाधान से पहले किसानों की समस्या पर बल दें।
- सहयोग, निष्पक्षता और दूरगामी दृष्टि को उजागर करें।

चर्चा के प्रश्न

- अमूल ने व्यवसाय की वृद्धि और समाज के कल्याण के बीच संतुलन कैसे बनाया?
- किसानों के लिए सहकारी ढाँचा सफल क्यों रहा?
- साझा स्वामित्व ने शोषण को कम करने में कैसे सहायता की?

विकसित उद्यमिता कौशल

- **सामाजिक प्रभाव की समझ** – यह समझना कि व्यवसाय कैसे जीवन और समुदायों को बेहतर बनाते हैं।
- **अवलोकन कौशल** – दैनिक जीवन में समस्याओं और अनकही आवश्यकताओं पर ध्यान देना।
- **समस्या की पहचान** – वास्तविक समस्या क्या है, इसे स्पष्ट रूप से परिभाषित करना।
- **अवसर की पहचान** – समस्याओं को संभावित व्यावसायिक विचारों के रूप में देखना।
- **समालोचनात्मकता**– धारणाओं पर प्रश्न उठाना और सतही मुद्दों से परे देखना।
- **जिज्ञासा और जागरूकता** – लोगों की आवश्यकताओं और परिवेश में होने वाले परिवर्तनों के प्रति सचेत रहना।
- **नेतृत्व और पहल** – परिवर्तन के लिए लोगों और संसाधनों को संगठित करना।
- **लक्ष्य-आधारित सोच** – मूल्यों को स्थायी व्यावसायिक सफलता के साथ जोड़ना।

समीक्षा

- उद्यमी रोजगार, गरिमा और विश्वास का निर्माण करते हैं।
- सहयोग एक शक्तिशाली व्यावसायिक ढांचा हो सकता है।
- दीर्घकालिक सफलता निष्पक्षता और साझा विकास से आती है।

उद्यमी और उनका प्रभाव! — **साप्ताहिक कार्य**

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

शिक्षार्थियों को किसी एक उद्यमी पर शोध करने और संक्षेप में लिखने के लिए कहें:

- वह व्यवसाय किस समस्या का समाधान करता है?
- वह लोगों या समुदाय की सहायता कैसे करता है?
- उद्यमी को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

☞ पूर्ण तथ्यों के बजाय समझ विकसित करने पर ध्यान दें।

2.2 नैतिक और सामाजिक उद्यमिता

उद्देश्य

- पहचानें कि उद्यमी विभिन्न आवश्यकताओं वाले लोगों की सहायता कैसे करते हैं।
- जानें कि व्यवसाय उत्तरदायित्व और नैतिकता के साथ कैसे सफल होते हैं।

पुनरावृत्ति गतिविधि 2.2 नैतिकता का जासूस

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. गतिविधि आरंभ करने से पहले, 2.1 के साप्ताहिक कार्य पर चर्चा करें।
2. व्यवसाय के संक्षिप्त कार्यों को पढ़कर सुनाएँ, जैसे कि नैतिक/अनैतिक।
3. शिक्षार्थी इनका उपयोग करके उत्तर दें:
   - ➢ हरा कार्ड/अंगूठा ऊपर → नैतिक
   - ➢ लाल कार्ड/अंगूठा नीचे → अननैतिक
4. प्रत्येक प्रतिक्रिया के बाद, शिक्षार्थियों से पूछें कि उन्होंने वह विकल्प क्यों चुना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- गति के बजाय तर्क देने पर बल दें।
- उत्तरों को तुरंत सही या गलत बताने से बचें।

चर्चा का प्रश्न

क्या आपको लगता है कि नैतिक प्रथाएं समाज को समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने में सहायता करती हैं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण दें।

कहानी का समय *मिट्टी कैफे – अक्षमता से परे योग्यता*

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समानुभूति के स्थान पर समावेश पर बल दें।
- अर्थपूर्ण कार्य के माध्यम से गरिमा प्रदान करना।
- सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ व्यावसायिक सफलता।

चर्चा के प्रश्न

- इस व्यवसाय में किन्हें सम्मिलित किया गया है?
- किस समस्या का समाधान किया जा रहा है?
- गरिमा, समानुभूति का स्थान कैसे लेती है?
- समावेशी रोजगार क्या प्रभाव उत्पन्न करता है?
- अमूल और मिट्टी कैफे में वे कौन सी तीन चीजें हैं, जो बार-बार सामने आती हैं?

ट्रिपल बॉटम लाइन पद्यति: लोग (People), ग्रह (Planet), लाभ (Profit)

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव: चर्चा के बाद इस अवधारणा को प्रस्तुत करें, पहले नहीं।

सरलता से समझाएँ:

- **लोग:** निष्पक्ष व्यवहार, समावेश, गरिमा
- **ग्रह:** संसाधनों का उत्तरदायी उपयोग

- **लाभ:** सततता और निरंतरता
- इसे अमूल और मिट्टी कैफे के उदाहरणों से जोड़ें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **समानुभूति** – समाधान निकालने से पहले दूसरों की आवश्यकताओं, अनुभवों या संघर्षों को समझने और अनुभव करने की क्षमता।
- **नैतिक तर्क** – नियमों, मूल्यों और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हुए यह निर्णय लेने की क्षमता कि क्या सही और न्यायपूर्ण है।
- **सामाजिक उत्तरदायित्व** – यह जागरूकता कि व्यावसायिक निर्णयों का लोगों, समाज और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पड़ना चाहिए।
- **तार्किक सोच** – सूचनाओं का विश्लेषण करने, धारणाओं पर प्रश्न उठाने और विचारशील एवं तर्कसंगत निर्णय लेने का कौशल।

समीक्षा

- नैतिक प्रथाएं विश्वास और समावेश का निर्माण करती हैं।
- व्यवसाय लोगों और ग्रह की चिंता करते हुए भी बढ़ सकते हैं।
- समावेश समाज और उद्यमों को सुदृढ़ बनाता है।

समावेशी डिज़ाइन

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

समूहों में, शिक्षार्थी:

1. किसी आवश्यकता वाले व्यक्ति या समूह की पहचान करेंगे।
2. उनकी सहायता के लिए एक सरल उत्पाद या सेवा की रूपरेखा बनाएंगे।
3. विचार का चित्र बनाएंगे और नए उद्यम को नाम देंगे।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- सरल और समानुभूति-आधारित विचारों को प्रोत्साहित करें।
- साध्यता या लाभ के आधार पर निर्णय न लें।
- प्रत्येक समूह के प्रयास की सराहना करें।
- विविध दृष्टिकोणों और सम्मानजनक चर्चा को बढ़ावा दें।
- यदि शिक्षार्थियों को समझने में कठिनाई हो, तो स्थानीय उदाहरणों का उपयोग करें।

अध्याय 03

उद्यमिता का परिदृश्य

S7W2L3

कालांश: 4

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- निवेश के आकार, श्रमिकों की संख्या और बाज़ार पहुंच के आधार पर भारतीय व्यवसायों को वर्गीकृत करने में।
- यह समझने में कि व्यवसाय का आकार स्वामित्व, निर्णय लेने की प्रक्रिया और संसाधनों तक पहुंच को कैसे प्रभावित करता है।
- उद्देश्य, स्वामित्व और लाभ साझा करने के आधार पर सहकारी संस्थाओं, कंपनियों और साझेदारियों के बीच अंतर करने में।
- यह पहचानने में कि कोई व्यवसाय बढ़ने के साथ अपनी संरचना को कैसे और क्यों बदल सकता है।

R5V7Y4

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा है कि उद्यमिता यथार्थवादी और प्राप्य है, और यह केवल कुलीन पृष्ठभूमि या बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है।
- उद्यमियों और सफलता के बारे में सामान्य मान्यताओं और भ्रांतियों पर प्रश्न उठाए हैं।
- विचारों के उभरने और विकसित होने को समझने के लिए वास्तविक स्थितियों, केस स्टडी और चिंतन-आधारित गतिविधियों में संलग्न हुए हैं।
- समस्या-समाधान, टीम वर्क और विचार विकास में प्रारंभिक कौशल विकसित किए हैं।
- उच्च कक्षाओं में उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र, नवाचार प्रक्रियाओं और उद्यम विकास का पता लगाने के लिए खुद को तैयार किया है।

अध्याय का औचित्य

शिक्षार्थी अक्सर बड़े ब्रांड्स की प्रशंसा करते हैं, बिना यह समझे कि उन्होंने कैसे शुरुआत की या उनकी संरचना क्यों मायने रखती है। यह अध्याय भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यवसायों की विविधता के बारे में जागरूकता पैदा करता है और शिक्षार्थियों को यह समझने में मदद करता है कि विकास एक तात्कालिक परिणाम के बजाय एक यात्रा है। यह व्यवसाय के आकार, स्वामित्व और विस्तार से संबंधित सूचित निर्णय लेने को प्रोत्साहित करता है, साथ ही तुलना और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से विश्लेषणात्मक सोच विकसित करता है।

अध्याय का केंद्र बिंदु	विचार निर्माण और रचनात्मक सोच
सरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा** समस्याओं को विचारों में बदलना नवाचार और समाधान-उन्मुख सोच को बढ़ावा देता है। **SDG 8: सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास** विचार निर्माण उद्यमिता और भविष्य की आर्थिक भागीदारी का समर्थन करता है। **SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** यह रचनात्मकता, सहयोग और विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	यह रोज़मर्रा की समस्याओं को उद्यमशील विचारों में बदलकर नवाचार को प्रोत्साहित करता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ सरेखण	➢ रचनात्मकता और नवाचार को मुख्य सीखने के परिणामों के रूप में समर्थन देना। ➢ समूह वैचारिक गतिविधियों के माध्यम से सहयोगात्मक शिक्षा को बढ़ावा देना। ➢ डिज़ाइन थिंकिंग और समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देना, जो एनईपी (NEP) के दृष्टिकोण के केंद्र में हैं। ➢ केवल एक सही उत्तर के बजाय कई समाधानों का समर्थन करके सोच में लचीलेपन की अनुमति देना।

3.1 व्यवसाय कितना बड़ा है ?

उद्देश्य

- संचालन, कार्यबल और बाज़ार पहुँच के विस्तार के आधार पर यह विश्लेषण करना कि कोई व्यवसाय एक छोटे उद्यम से बढ़कर मध्यम उद्यम कैसे बनता है।
- यह समझाना कि महत्वपूर्ण निर्णय किस प्रकार किसी व्यवसाय को एक ही आउटलेट से विकसित होकर बहु-शहरी (मल्टी-सिटी) ब्रांड बनने में सक्षम बनाते हैं।

गतिविधि 3.1 सही आकार पहचानें !

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को सूचित करें कि वे विभिन्न व्यवसायों के नाम सुनेंगे।
- उनसे अपनी समझ के आधार पर प्रत्येक को लघु, मध्यम, या बड़े के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहें।
- एक-एक करके व्यवसायों के नाम पढ़ें।
- वर्गीकरण के बाद, मार्गदर्शक प्रश्नों का उपयोग करके चर्चा शुरू करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थियों को तुरंत सही करने से बचें। भ्रांतियों को उभरने दें और चर्चा के माध्यम से उनका समाधान करें।

कहानी का समय — 'चाय पॉइंट' की यात्रा: बड़े सपनों को आकार देना

फेसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समस्या की पहचान वाले चरण पर जोर दें।
- तकनीक, नवाचार और ग्राहक विश्वास की भूमिका पर प्रकाश डालें।
- विकास को किस्मत से नहीं, बल्कि निर्णयों से जोड़ें।

कार्यपत्रक मार्गदर्शन — उद्यम को समझना – चाय पॉइंट की कहानी

शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करें

- प्रारंभिक चरण की विशेषताओं (लघु उद्यम) की पहचान करने में।
- विस्तार के संकेतकों (शहर, कर्मचारी, तकनीक) को ट्रैक करने में।
- उद्धरण पर विचार करने और 'उत्प्रेरक' (spark) बनाम प्रेरणा स्रोत (fire) की व्याख्या करने में।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **समस्या की पहचान :** दैनिक जीवन में अधूरी आवश्यकताओं और चुनौतियों पर ध्यान देना।
- **अवलोकन कौशल :** अवसरों को खोजने के लिए परिवेश का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना।
- **रचनात्मक सोच :** वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए विचार उत्पन्न करना।
- **जिज्ञासा और पहल :** संभावनाओं को तलाशने के लिए 'क्यों' और 'कैसे' पूछना।

समीक्षा

- व्यवसाय का आकार पैमाने, पहुंच और कार्यबल पर निर्भर करता है — न कि केवल दुकान की जगह पर।
- दूरदर्शिता, नवाचार और विश्वास के साथ छोटे विचार बढ़ सकते हैं।
- विकास के लिए रणनीतिक निर्णयों और अनुकूलन क्षमता की आवश्यकता होती है।

अपने आस-पास व्यवसाय के आकार को पहचानें — साप्ताहिक कार्य

फेसिलिटेटर के लिए सुझाव

- आस-पड़ोस के उदाहरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करें।
- अनुमानित डेटा स्वीकार करें।
- वर्गीकरण के पीछे के तर्क पर ध्यान केंद्रित करें।

3.2 व्यवसाय का मालिक कौन है ?

उद्देश्य

- व्यवसाय स्वामित्व के विभिन्न रूपों की पहचान करना।
- विश्लेषण करना कि स्वामित्व निर्णयों और जिम्मेदारियों को कैसे प्रभावित करता है।

कहानी का समय — ज़ेरोधा— विश्वास, तकनीक और टीम वर्क

मुख्य बिंदु

- साझा जिम्मेदारी के रूप में साझेदारी।
- विकास के चालक के रूप में विश्वास और पारदर्शिता।
- आक्रामक/तेजी से लाभ कमाने के बजाय उद्देश्य को प्राथमिकता देना।

कार्यपत्रक मार्गदर्शन — व्यवसाय स्वामित्व को डिकोड करना – ज़ेरोधा की कहानी

शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करें

- यह पहचानने में कि साझेदारी संस्थापकों के लिए क्यों उपयुक्त थी।
- एक साझेदारी की तुलना एकल स्वामित्व से करने में।
- बड़े पैमाने पर आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण करने में।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विचार निर्माण :** एक ही समस्या के लिए कई समाधान बनाना।
- **उपयोगकर्ता-केंद्रित सोच :** उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं और सुविधा के आधार पर समाधान डिज़ाइन करना।
- **प्रयोग करने की मानसिकता:** विफलता के डर के बिना विचारों की जाँच, उनका परीक्षण करना और उन्हें परिष्कृत करना।
- **नवाचार कौशल :** विद्यमान विचारों की नकल करने के बजाय उनमें सुधार करना।

समीक्षा

- स्वामित्व से ही नियंत्रण, संकट और लाभ का विभाजन निर्धारित होता है।
- साझेदारी से विचारों और जिम्मेदारियों को साझा करने का अवसर मिलता है।
- जैसे-जैसे व्यवसाय का स्तर बढ़ता है, संरचना का विकसित होना आवश्यक है।

मेरा व्यवसाय, मेरा स्वामित्व — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- तकनीकी सटीकता के बजाय तर्क की स्पष्टता को प्रोत्साहित करें।
- स्वामित्व के विविध विकल्पों की अनुमति दें।
- सहपाठी शिक्षण के लिए प्रस्तुतियों का उपयोग करें।

3.3 सहकारी संस्थाएँ और कंपनियाँ – साथ मिलकर काम करना

उद्देश्य

- यह समझाना कि सहकारी संस्थाएँ और कंपनियाँ कैसे कार्य करती हैं।
- उनके स्वामित्व, उद्देश्य और निर्णय लेने की संरचनाओं की तुलना करना।.

कहानी का समय — *लिज्जत पापड़ – जब सात महिलाओं ने क्रांति की शुरुआत की*

मुख्य बिंदु

- सहकारी मूल्य: समानता, गरिमा, आत्मनिर्भरता।
- लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया।
- व्यक्तिगत लाभ से ऊपर सामूहिक सफलता।

गतिविधि 3.2 सहकारी बनाम कंपनी विश्लेषण

फेसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थियों को 4-5 के समूहों में विभाजित करें।
2. उनसे कहानी का उपयोग करके कार्यपत्रक को पूरा करने के लिए कहें।
3. साक्ष्य-आधारित उत्तरों को प्रोत्साहित करें।

चर्चा के प्रश्न

लिज्जत का नियम था *'दान नहीं, केवल स्वावलंबन।'*

सहकारी मॉडल इस विचार को व्यावहारिक व्यावसायिक वास्तविकता में कैसे बदलता है? कहानी के एक उदाहरण का उपयोग करते हुए, 2-3 वाक्यों में इसकी व्याख्या करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

शिक्षार्थियों को 'दान नहीं, केवल स्वावलंबन' को स्वामित्व और लाभ साझा करने के साथ जोड़ने के लिए मार्गदर्शन करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विश्लेषणात्मक सोच** – विभिन्न विकल्पों की तुलना करना और सर्वोत्तम समाधान चुनना।
- **निर्णय लेना** – व्यावहारिक और व्यवहार्य विचारों को चुनना।
- **जोखिम जागरूकता** – कार्य करने से पहले संभावित चुनौतियों को समझना।
- **अनुकूलनशीलता** – फीडबैक और वास्तविक स्थितियों के आधार पर विचारों में संशोधन करना।

समीक्षा

- सहकारी संस्थाएँ सदस्यों के कल्याण और समानता पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- कंपनियाँ विकास, विस्तार और शेयरधारकों के मूल्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- उद्देश्य के आधार पर, ये दोनों ही मॉडल सफल हो सकते हैं।

मेरे समुदाय में उद्यम — साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- ☞ क्षेत्र-आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करें।
- ☞ मौखिक या पोस्टर प्रस्तुतियों को स्वीकार करें।
- ☞ सौंदर्य-बोध के बजाय समझ पर ज़ोर दें।

अध्याय 04

सृजन, संबंध और सहयोग

Y4M6N5

कालांश: 4

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- टीमवर्क के समय विचारों को स्पष्टता से व्यक्त करने, सक्रियता से सुनने और सम्मानपूर्वक उत्तर देने में।
- साथ मिलकर समस्याओं का समाधान करने हेतु विभिन्न दृष्टिकोणों को समझकर परस्पर सहयोग करने में।
- निष्पक्ष और व्यावहारिक निर्णय लेने के लिए मतभेदों पर चर्चा और उनका समाधान करने में।
- प्रभावी संवाद, समूह-भावना और बातचीत कौशल का उपयोग करके साझा समाधानों का सह-सृजन करने में।

U1D2G1

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- एक ही समस्या को अनेक दृष्टिकोणों से देखना सीखा है और ब्रेनस्टार्मिंग, माइंड मैपिंग, रोल प्ले और स्कैम्पर (SCAMPER) जैसे सृजनात्मक चिंतन उपकरणों के माध्यम से कई संभावित समाधान उत्पन्न किए हैं।
- '3P ढाँचे' (People, Planet,Profit) को उत्तरदायी, संधारणीय और अर्थपूर्ण विचारों की रचना के मार्गदर्शक के रूप में समझा है।
- यह अनुभव किया है कि कैसे टीमवर्क, चर्चा और फीडबैक आइडियाज़ अधिक सशक्त और व्यावहारिक बनाने में सहायता करते हैं।
- अभ्यास किया कि समाधान उपयोगी, साध्य और नैतिक रूप से उचित हैं या नहीं, यह देखने के लिए सरल जाँच के माध्यम से विचारों को प्रमाणित करने का अभ्यास किया है।
- युवा नवचारक की भाँति सोचना और कार्य करना प्रारंभ किया है, जहाँ वे सृजनात्मकता को उत्तरदायित्व और वास्तविक जीवन की समस्या-समाधान से जोड़ते हैं।

अध्याय का औचित्य

उद्यमी कदाचित ही अकेले कार्य करते हैं, क्योंकि आईडिया चर्चा, फीडबैक, असहमति और साझा प्रयासों के माध्यम से विकसित होते हैं। यह अध्याय शिक्षार्थियों को अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में,आत्मविश्वास बनाने, विविध दृष्टिकोणों को सुनने और उनका सम्मान करने, मतभेदों को रचनात्मक रूप से सुलझाने और यह समझने में सहायता करता है कि यदि विरोध का उचित प्रबंधन किया जाए, तो वह परिणामों को बेहतर बना सकता है। ये कौशल न केवल उद्यमिता के लिए, बल्कि शैक्षणिक, व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन के लिए भी अनिवार्य हैं।

अध्याय का केंद्र बिंदु	साध्यता विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया
सरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 12: उत्तरदायी उपभोग और उत्पादन** विचारों का मूल्यांकन शिक्षार्थियों को साध्यता, संसाधनों और संधारणीयता पर विचार करना सिखाता है। **SDG 8: उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि** शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता करता है कि कौन से विचार व्यावहारिक और आर्थिक रूप से सक्षम हैं। **SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** निर्णय लेने के कौशल और विश्लेषणात्मक कौशल का निर्माण करता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	किसी आईडिया (Idea) का चयन करने से पूर्व संसाधनों, जोखिमों और संधारणीयता का आकलन करने में शिक्षार्थियों की सहायता करता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ सरेखण	➢ उच्च-स्तरीय चिंतन कौशल के रूप में निर्णय लेने और तर्क करने पर बल देता है। ➢ चिंतन और विश्लेषण के माध्यम से सीखने पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के केंद्र के साथ संरेखित है। ➢ शिक्षार्थियों को विकल्पों और परिणामों को तौलने के लिए प्रोत्साहित करता है, जिससे वे वास्तविक जीवन के विकल्पों के लिए सिद्ध होते हैं। ➢ रटने की पद्धति के स्थान पर उद्यमी विवेक को सुदृढ़ करता है।

4.1 स्पष्ट और प्रभावी संप्रेषण

उद्देश्य

- स्पष्ट, शिष्ट और सटीक प्रश्न पूछने तथा निर्देश देने का अभ्यास करना।
- उद्यमिता में प्रभावी संप्रेषण को विश्वास-निर्माण और समस्या निवारण से जोड़ना।

गतिविधि 4.1 ऐप बचाओ!

आवश्यक सामग्री

- स्टिकी नोट्स और मार्कर्स
- टाइमर/स्टॉपवॉच
- 'अस्त-व्यस्त संदेशो' के साथ तैयार किए गए कार्ड
- सरल प्रसारण सामग्री (लेखनी, डिब्बा, रसीद पुस्तिका)

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

1. शिक्षार्थियों को 6–7 के समूहों में विभाजित करें।
2. हाइपर-लोकल डिलीवरी ऐप 'ZapRun' की परिस्थिति का परिचय दें।
3. प्रत्येक समूह को एक 'अव्यवस्थित संदेश/मेसेज कार्ड ' दें।
4. समूह को लुप्त विवरणों (क्या, कहाँ, कब, मूल्य, विवरण) की पहचान करने के लिए 3 मिनट का समय दें।
5. समूह से संदेश को एक बड़ी पर्ची पर स्पष्ट रूप से पुनः लिखने के लिए कहें।
6. समूहों को उनके द्वारा पुनः लिखे गए संदेशों को संक्षेप में साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिष्ट भाषा और पूर्णता को प्रोत्साहित करें।
- गति की तुलना में स्पष्टता पर बल दें।

केस स्टडी: पोर्टर – सामान ले जाना हुआ आसान

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- स्पष्ट संवाद को विश्वसनीयता और विश्वास से जोड़ें।
- इस बात पर प्रकाश डालें कि कैसे व्यवस्थित सूचना त्रुटियों को रोकती है।

चर्चा के प्रश्न

- यदि निर्देश स्पष्ट न हों तो क्या त्रुटि हो सकती है?
- डिलीवरी ऐप्स के लिए स्पष्ट संवाद समय और प्रयास को कैसे बचाता है?

विकसित उद्यमिता कौशल

- **अवलोकन कौशल** – वास्तविक जीवन की समस्याओं और ग्राहक व्यवहार पर ध्यान देना।
- **ग्राहक समानुभूति** – आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं और कष्ट-बिंदुओं को समझना।
- **समस्या की पहचान** – जो उपलब्ध है और जिसकी आवश्यकता है, उसके बीच के अंतर को पहचानना।
- **प्रश्न पूछने का कौशल** – उपभोक्ताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए सही प्रश्न पूछना।

समीक्षा

- स्पष्ट संप्रेषण भ्रम और विफलता को रोकता है।
- सुनना उतना ही अनिवार्य/महत्वपूर्ण है जितना बोलना।
- शिष्ट और पूर्ण संदेश विश्वास का निर्माण करते हैं।

एक पोर्टर संचारक बनें — साप्ताहिक कार्य

मुख्य बिंदु

- स्पष्टता, स्वर और पूर्णता पर ध्यान दें।
- व्याकरण संबंधी सुधार से बचें; अर्थ पर ध्यान केंद्रित करें।

4.2 सह-सृजन और नेटवर्किंग

उद्देश्य

- उत्पादों और सेवाओं को आकार देने में विभिन्न हितधारकों की भूमिका की पहचान करना।
- विश्वास, संवाद और साझा स्वामित्व के महत्व को स्वीकार करना।

पुनरावृत्ति गतिविधि 4.2 संदेश को ठीक करें

फैसिलिटेटर निर्देश

1. अस्पष्ट संदेश पढ़ें: 'कृपया इसे प्रबंधित करें।'
2. शिक्षार्थियों से इसे व्यक्तिगत रूप से पुनः लिखने के लिए कहें।
3. शिक्षार्थियों को अपने उत्तरों की तुलना अपने साथी के साथ करने दें।
4. विभिन्न दृष्टिकोणों का परिचय देने के लिए मतभेदों का उपयोग करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- सह-सृजन और नेटवर्किंग की ओर बढ़ने के लिए शिक्षार्थियों के उत्तरों का उपयोग करें।
- **बल दें: स्पष्ट संवाद—विभिन्न दृष्टिकोण—सहयोग की आवश्यकता**
- इस बात पर प्रकाश डालें कि स्पष्ट संदेश भी विभिन्न दृष्टिकोणों के कारण भिन्न हो सकते हैं, जहाँ सहयोग आवश्यक होता है।

कहानी का समय *ज़ोमैटो – लोगों को जोड़कर विकसित हुआ एक विचार*

मुख्य बिंदु

- व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर नेटवर्क
- विकास के ईंधन के रूप में फीडबैक

चर्चा के बिंदु

- ज़ोमैटो के माध्यम से जुड़े कम से कम तीन समूहों के नाम बताइए।
- जब सफलता लोगों के बीच के सुदृढ़ संबंधों पर निर्भर करती है, तो हम उसे क्या कहते हैं?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- भोजनालय, ग्राहक, फीडबैक समूह

गतिविधि 4.3 सृजन और जुड़ाव

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थियों को 5–6 के समूहों में विभाजित करें।
2. प्रत्येक समूह को एक संकेत पत्रक (प्रॉम्प्ट कार्ड) प्रदान करें।
3. प्रत्येक शिक्षार्थी सुधार के लिए एक विचार का सुझाव दे।
4. उन समूहों और हितधारकों की सूची बनाएँ जो विचार को सफल बनाने के लिए आवश्यक हैं।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समान सहभागिता को प्रोत्साहित करें।
- किसी एक व्यक्ति के प्रभुत्व को रोकें।
- सीखने वालों को 'कोई चैरिटी नहीं, सिर्फ़ सेल्फ़-हेल्प' को ओनरशिप और प्रॉफ़िट शेयरिंग से जोड़ने के लिए गाइड करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **अनुसंधान कौशल** – सर्वेक्षण, चर्चा और अवलोकन के माध्यम से सूचना एकत्र करना।
- **विश्लेषणात्मक चिंतन** – निर्णय लेने के लिए फीडबैक की व्याख्या करना।
- **निर्णय लेना** – धारणाओं के स्थान पर ग्राहक के सुझावों के आधार पर विचारों का चयन करना।
- **अनुकूलनशीलता** – वास्तविक प्रतिक्रियाओं के आधार पर विचारों में परिवर्तन करना।

समीक्षा

- सुदृढ़ विचार साझा स्वामित्व के माध्यम से विकसित होते हैं।
- नेटवर्किंग कौशल, संसाधनों और फीडबैक को जोड़ता है।
- सहयोग से गुणवत्ता और स्वीकार्यता में सुधार होता है।

साथ मिलकर सृजन करना हमेशा आसान नहीं होता

साप्ताहिक कार्य

मुख्य बिंदु

- परिणामों की तुलना में चिंतन पर बल दें।
- भावनात्मक प्रतिक्रियाओं और अधिगम को प्रमाणित करें।

4.3 बातचीत और मतभेद समाधान

उद्देश्य

- सुनने और सामंजस्य बैठाने के माध्यम से बातचीत का अभ्यास करना।
- समानुभूति और सम्मान के साथ मतभेद-समाधान की रणनीतियों को लागू करना।

गतिविधि 4.4 जहाँ आप सहमत हों, वहाँ अडिग रहें

फेसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. प्रत्येक कथन को ऊँचे स्वर में पढ़ें।
2. शिक्षार्थियों से कहें कि यदि वे सहमत हैं तो खड़े हो जाएँ या असहमत होने पर बैठे रहें।
3. स्वयंसेवकों को अपना पक्ष समझाने के लिए आमंत्रित करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समूह असहमति को सामान्य मानें।
- सम्मानपूर्वक सुनने को सुनिश्चित करें।

कहानी का समय *बायजूस (Byju's) — बहुत सारे अच्छे विचार*

मुख्य बिंदु

- मतभेद को सुधार के स्रोत के रूप में देखना
- पक्ष चुनने के स्थान पर प्राथमिकताओं में संतुलन बनाना

चर्चा के प्रश्न

- क्या मतभेद से टीम को हानि हुई या सहायता हुई ?
- क्या होगा यदि एक समूह के विचार को दूसरों पर थोपा जाए?

गतिविधि 4.5 लर्निंग ऐप का निर्णय

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- 5–6 शिक्षार्थियों के समूह बनाएँ और समझाएँ कि **प्रत्येक भूमिका एक वास्तविक हितधारक का प्रतिनिधित्व करती है** जिसकी आवश्यकताएँ वैध हैं, न कि कोई सही या गलत पक्ष।
- शिक्षार्थियों को **उत्तर देने से पूर्व पूरी बात सुनने** और समझौते के समय अपनी निर्धारित भूमिका के अनुसार बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।
- समूहों को स्मरण कराएँ कि लक्ष्य सर्वसम्मति है, **न कि विजय**— उन्हें अपनी मुख्य प्राथमिकताओं की रक्षा करते हुए अन्य विषयों पर लचीला होना चाहिए।
- कक्षा में घूमते हुए 'यह भूमिका अपनी मूल आवश्यकता को खोए बिना क्या त्याग सकती है?' जैसे प्रश्नों के माध्यम से चिंतन को प्रेरित करें।
- समूह साझाकरण के समय, चर्चा को इस बात पर केंद्रित करें कि **कैसे समझौते और संवाद ने एक संतुलित निर्णय लेने में सहायता की**, न कि केवल अंतिम उत्तर पर।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- समाधान से पूर्व प्राथमिकताओं की पहचान करने में समूहों की सहायता करें।
- मूल मूल्यों की हानि के बिना समझौते को प्रोत्साहित करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **सृजनात्मक समस्या-समाधान** – ग्राहक की आवश्यकताओं को पूरा करने वाले समाधानों की रूपरेखा बनाना।
- **मूल्य सृजन** – समाधानों को स्पष्ट रूप से ग्राहक के लाभों से जोड़ना।
- **समीक्षात्मक चिंतन** – यह मूल्यांकन करना कि क्या कोई समाधान वास्तव में समस्या को सुलझाता है।
- **संप्रेषण कौशल** – यह समझाना कि कोई विचार उपभोक्ताओं के लिए मूल्य कैसे सृजित करता है।

समीक्षा

- समूह-कार्य में विवाद स्वाभाविक है।
- परस्पर विनिमय उन विषयों की रक्षा करने में सहायता करता है जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।
- उचित निर्णय विश्वास को सुदृढ़ करते हैं।

अध्याय 05

SMART लक्ष्य, बड़े विचार

A8J9Q7

कालांश: 3

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- लक्ष्य-निर्धारण रणनीतियों को लागू कर व्यक्तिगत या व्यावसायिक विचारों को स्पष्ट, SMART लक्ष्यों में बदलने के लिए।
- एक परिभाषित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई समाधानों के साथ प्रयोग करके अभिनव विचारों को उत्पन्न और परिष्कृत करने में।

F1Y4W2

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा है कि मानसिकता सीखने, आत्मविश्वास और परिणामों को कैसे प्रभावित करती है, और यह कि उनके सोचने के तरीके को बदलने से उनकी उपलब्धियां बदल सकती हैं।
- स्थिर मानसिकता और विकास की मानसिकता के बीच अंतर सीखा है, और यह पहचाना है कि क्षमताएं प्रयास, अभ्यास और सीखने के माध्यम से बढ़ती हैं।
- लचीलेपन और शुरुआत करने के साहस का अभ्यास किया है, यह समझते हुए कि शुरुआत करना—भले ही अपूर्ण रूप से—उद्यमिता में एक महत्वपूर्ण कदम है।
- आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच में कौशल विकसित किए हैं, यह देखते हुए कि समस्याओं को हल करने के लिए विश्लेषण और कल्पना कैसे मिलकर काम करते हैं।
- गलतियों को फीडबैक मानकर और सुधार के लिए चिंतन का उपयोग करके विफलता के डर को दूर करना सीखा है।
- वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से आत्म-प्रभावकारिता और आत्मविश्वास बनाया है, यह समझते हुए कि उद्यमशील विकास के लिए दृढ़ता और स्वयं में विश्वास आवश्यक है।

अध्याय का औचित्य

यह अध्याय शिक्षार्थियों को क्रियाशील उद्यमशील सोच से परिचित कराता है, कि कैसे विचार सपनों से हटकर प्राप्त करने योग्य योजनाओं में बदलते हैं। नायका (Nykaa) और बोट (boAt) जैसी भारतीय स्टार्टअप कहानियों का उपयोग करते हुए, विद्यार्थी SMART लक्ष्य निर्धारित करने का अभ्यास करते हैं और नवाचार को वास्तविक ज़रूरतों को पूरा करने के बेहतर तरीके खोजने की प्रक्रिया के रूप में समझते हैं। चिंतन और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से, विद्यार्थी आत्मविश्वास, रचनात्मकता और योजना कौशल का निर्माण करते हैं।

अध्याय का केंद्र बिंदु	नवाचार के लिए लक्ष्य-निर्धारण और योजना
सरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 8: सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास** स्थायी उद्यमिता के लिए लक्ष्य-निर्धारण और नवाचार आवश्यक हैं। **SDG 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा** नवाचार के माध्यम से लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। **SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** योजना, रचनात्मकता और आत्म-प्रबंधन कौशल बनाता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	स्पष्ट, प्राप्त करने योग्य लक्ष्यों के माध्यम से उद्देश्यपूर्ण योजना और नवाचार को बढ़ावा देता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ सरेखण	➢ लक्ष्य-उन्मुख और योग्यता-आधारित शिक्षा के साथ संरेखित करना। ➢ SMART लक्ष्यों के माध्यम से स्व-निर्देशित शिक्षा को प्रोत्साहित करना। ➢ नवाचार, रचनात्मकता और अनुकूलन क्षमता को मुख्य एनईपी (NEP) दक्षताओं के रूप में समर्थन देना। ➢ शिक्षार्थियों को विज़न को क्रिया से जोड़ने में मदद करना, उन्हें आजीवन सीखने और उद्यमिता के लिए तैयार करना।

5.1 विज़न से एक्शन तक

उद्देश्य

- नायका की यात्रा का उपयोग करके विज़न और लक्ष्य के बीच अंतर करना।
- SMART लक्ष्य बनाना और यह सिद्ध करना कि वे एक बड़े विज़न का समर्थन कैसे करते हैं।

कहानी का समय — नायका की शुरूआत

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- कहानी को मन में या कुछ हिस्सों में ज़ोर से पढ़ें।
- बड़ी सफलता से पहले छोटे कदमों पर ज़ोर दें।
- योजना के साथ जोखिम लेने पर प्रकाश डालें।

सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें

चर्चा के प्रश्न

- **बड़ा सपना :** नायका को भारत का सबसे भरोसेमंद ब्यूटी डेस्टिनेशन बनाना।
- **छोटे कदम :** वेबसाइट लॉन्च करना, ब्रांड्स को जोड़ना, ऑर्डर के लक्ष्य तय करना।
- **अंतर :** विज़न दिशा देता है; लक्ष्य कार्रवाई देते हैं।

गतिविधि 5.1 लक्ष्य जासूस

आवश्यक सामग्री

- लक्ष्य कार्ड तैयार करें और कक्षा में ले जाएं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थियों को 5 के समूहों में विभाजित करें।
2. नायका (Nykaa) की यात्रा से तैयार किए गए लक्ष्य कार्ड वितरित करें।
3. समूहों से SMART प्रश्नों का उपयोग करके लक्ष्यों का विश्लेषण करने के लिए कहें।
4. प्रत्येक समूह बताएगा कि उनका लक्ष्य एक SMART अक्षर में कैसे फिट बैठता है।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- स्पष्टीकरण सरल रखें।
- इस बात पर ज़ोर दें कि SMART लक्ष्य उपकरण हैं, नियम नहीं।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विज़निंग कौशल -** दीर्घकालिक लक्ष्यों और वांछित प्रभाव की कल्पना करना।
- **लक्ष्य-निर्धारण कौशल -** विचारों को स्पष्ट और SMART लक्ष्यों में बदलना।
- **रणनीतिक सोच -** बड़े सपनों को प्राप्त करने योग्य चरणों में तोड़ना।
- **योजना और प्राथमिकता -** यह तय करना कि पहले क्या करना है और क्या सबसे अधिक मायने रखता है।
- **आत्म-प्रबंधन -** केंद्रित, अनुशासित और समय के प्रति जागरूक रहना।

समीक्षा

- विज़न दिखाता है कि कहाँ जाना है।
- SMART लक्ष्य दिखाते हैं कि कैसे और कब जाना है।
- उद्यमियों को सपने देखने और अनुशासन दोनों की आवश्यकता होती है।

विचार से दिशा तक

साप्ताहिक कार्य

मुख्य बिंदु

चर्चा को मुख्य बिंदुओं की ओर ले जाएं जैसे कि:

- लक्ष्य निर्धारित करना क्यों महत्वपूर्ण है?
- यह योजना बनाने और उसे लागू करने को कैसे प्रभावित कर सकता है?

5.2 नवाचार

उद्देश्य

- नवाचार को कई रास्तों के माध्यम से एक ही लक्ष्य प्राप्त करने के रूप में समझाना।
- ज़रूरतों और अवसरों के आधार पर अभिनव विचार उत्पन्न करना और उन्हें उचित ठहराना।

गतिविधि 5.2 एक लक्ष्य, कई रास्ते

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. लक्ष्य को ज़ोर से पढ़ें: 'आपका लक्ष्य कक्षा में पानी लाना है।'
2. शिक्षार्थियों से कई समाधान एकत्र करें।
3. उत्तरों की तुलना करें।

शिक्षार्थियों के संभावित उत्तर

- लक्ष्य वही रहा: पानी ले जाना
- विचार अलग-अलग थे: बोतल, गिलास, जग, बैग आदि।

कहानी का समय *boAt – बनाने से पहले सुनना*

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- स्टूडेंट्स को कहानी अकेले पढ़ने दें

चर्चा के प्रश्न

- boAt के लिए क्या स्थिर रहा?
- क्या बदलता रहा?

मुख्य बिंदु

चर्चा को आगे बढ़ाएं:

- **लक्ष्य:** सस्ते, स्टाइलिश, टिकाऊ ऑडियो प्रोडक्ट
- **क्या बदला:** डिज़ाइन, मटीरियल, फ़ीचर, एक्सपेरिमेंट

गतिविधि 5.3 साधारण में नवाचार करें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. कक्षा को 5 के समूहों में विभाजित करें।
2. कार्यपत्रक भरने के लिए शिक्षार्थियों का मार्गदर्शन करें।
3. 1-2 समूहों से विचार साझा करवाएं।
4. ज़रूरत-आधारित सोच को प्रोत्साहित करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बिना किसी निर्णय के रचनात्मकता को प्रोत्साहित करें।
- व्यवहार्यता की आलोचना से बचें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **रचनात्मक सोच:** एक ही लक्ष्य के लिए कई समाधान उत्पन्न करना।
- **नवाचार मानसिकता:** यह समझना कि सुधार प्रयोग से आता है।
- **लचीलापन और अनुकूलन क्षमता:** ज़रूरतों और बाधाओं के आधार पर विचारों को परिष्कृत करना।
- **समस्या-समाधान कौशल:** मूल्य जोड़ने के लिए साधारण वस्तुओं और प्रणालियों को फिर से डिज़ाइन करना।
- **सुरक्षित वातावरण में जोखिम लेना:** विफलता के डर के बिना नए विचारों को आज़माना।

मेरा व्यवसाय विचार- नवाचार और लक्ष्य शीट

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

सप्ताह के दौरान दिए गए कार्यपत्रक को भरने के लिए अपने समूह के साथ काम करें।

समीक्षा

- नवाचार वास्तविक समस्याओं का समाधान करता है।
- एक लक्ष्य के कई रचनात्मक समाधान हो सकते हैं।
- सुनने से बेहतर विचार मिलते हैं।

अध्याय 06

अपने ग्राहक को पहचानो

M2T5Z9

कालांश: 6

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अवलोकन, प्रश्न पछने और संवाद के माध्यम से वास्तविक ग्राहक समस्याओ की पहचान करना।
- किसी समाधान को बनाने से पहले ग्राहक को समझने के महत्व को जानना।
- विभिन्न प्रकार के प्रोटोटाइप (उत्पाद/सेवा) को समझाना और उपयक्तु प्रोटोटाइप का चयन करना।
- किसी विचार की व्यवहारिकता की जाँच के लिए 5M सिद्धांत का उपयोग करना।
- प्रतिक्रिया और सधुार की प्रक्रिया के माध्यम से प्रोटोटाइप बनाना, परीक्षण करना और बेहतर बनाना।

K6S5G8

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- समझा कि उद्यमिता एक सामूहिक प्रयास है और सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि लोग मिलकर कितना अच्छा कार्य करते हैं, न कि केवल व्यक्तिगत क्षमता पर।
- भूमिकाओं, क्षमताओं और जिम्मेदारियों की पहचान करते हुए प्रभावी टीम बनाना सीखा और स्पष्ट नेतृत्व एवं साझा लक्ष्य की दिशा में काम करने के महत्व को समझा।
- जिम्मेदार और समावेशी नेतृत्व की भूमिका को पहचाना।
- टीम के भीतर नैतिक निर्णय लेने के महत्व को समझा, जिसमें सम्मान, समानता और स्थिरता शामिल हैं।
- मतभेदों को संवाद और आपसी समझ के माध्यम से सुलझाने की प्रक्रिया सीखी।
- वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह जाना कि मजबूत टीम कार्य, विश्वास और संवाद सार्थक और विस्तार योग्य उद्यम बनाने के लिए आवश्यक हैं।

अध्याय का औचित्य

यह अध्याय शिक्षार्थियों को केवल सोचने और योजना बनाने से आगे बढ़ाकर कार्य करने और अनुभव से सीखने की दिशा में ले जाता है। यह वास्तविक उद्यमी यात्रा का परिचय कराता है, जहाँ विचारों का वास्तविक जीवन में परीक्षण किया जाता है, गलतियों से सीखना स्वाभाविक होता है और सुधार लगातार चलता रहता है। इसमें इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि निवेश करने से पहले सीखना आवश्यक है, उत्पाद बनाने से पहले ग्राहकों को समझना चाहिए, और पूर्णता की बजाय प्रगति पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है। साथ ही, यह अध्याय शिक्षार्थियों को सिखाता है कि उपयोगकर्ताओं को समझे बिना सीधे समाधान पर नहीं पहुँचना चाहिए, छोटे स्तर पर परीक्षण करके जोखिम को कम करना चाहिए, 5M ढाँचे के माध्यम से प्रणालीगत सोच विकसित करनी चाहिए, और प्रतिक्रिया से सीखकर धैर्य तथा दृढ़ता विकसित करनी चाहिए।

अध्याय का केंद्र बिंदु	प्रोटोटाइप बनाना, परीक्षण करना, 5M सिद्धांत, पुनरावृत्ति
संरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 8: सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास** वास्तविक समस्याओं की पहचान, विचारों का परीक्षण और 5M ढाँचे का उपयोग करके शिक्षार्थी उद्यमशील सोच विकसित करते हैं, जो स्थायी आर्थिक गतिविधियों को समर्थन देती है। **SDG 9: उद्योग, नवाचार और आधारभूत संरचना** प्रोटोटाइप बनाना, परीक्षण करना और पुनरावृत्ति की प्रक्रिया कम आयु से ही रचनात्मक समस्या-समाधान को प्रोत्साहित करती है। **SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** यह अध्याय अनुभव आधारित अधिगम, आलोचनात्मक चिंतन, सहयोग और आत्म-मूल्यांकन को बढ़ावा देता है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रमुख परिणाम हैं।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	कम जोखिम के साथ प्रयोग करने, संसाधनों के कुशल उपयोग और निरंतर सुधार को प्रोत्साहित करता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ संरेखण	➢ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुभव आधारित तथा जिज्ञासा आधारित अधिगम पर दिए गए जोर के अनुरूप है। ➢ सृजनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, सहयोग और अनुकूलन क्षमता जैसे 21वीं सदी के कौशलों के विकास में सहायक है। ➢ विभिन्न विषयों में उद्यमिता और समस्या-समाधान से प्रारंभिक परिचय का समर्थन करता है। ➢ परियोजनाओं, आत्म-चिंतन और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के माध्यम से सीखने को प्रोत्साहित करता है, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अनुशंसित किया गया है।

6.1 मेरा ग्राहक कौन है?

उद्देश्य

- यह समझना कि यदि ग्राहकों की आवश्यकताओं को नज़रअंदाज़ किया जाए तो अच्छा विचार भी असफल हो सकता है।
- यह सीखना कि उद्यमी बाज़ार अध्ययन के माध्यम से वास्तविक समस्याओं की पहचान कैसे करते हैं।
- अनुमान और वास्तविक बाज़ार आवश्यकताओं के बीच अंतर समझना।

केस स्टडी: फ़ोन कॉल से स्मार्ट चैट तक

केस 1: असफल विचार

मुख्य बिंदु

- विचार अच्छा था, लेकिन वह ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं था।
- बिक्री नहीं बढ़ी क्योंकि उत्पाद की विशेषताएँ उपयोगकर्ताओं के मूल्यों से मेल नहीं खाती थीं।
- रिया ने नया रूप देने से पहले लोगों की बात सुनकर बिक्री में सुधार किया।

रुक कर चर्चा करें

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- उसने उत्पाद को सरल बनाया।
- उसने पहले उपयोगकर्ताओं से बात की।
- उसने अलग-अलग ग्राहक समूहों की पहचान की।

संकल्पना 1: बाज़ार आवश्यकताएँ और बाज़ार अध्ययन

संकल्पना 1.1: बाज़ार अध्ययन

मुख्य बिंदु

इस बात पर बल दें कि बाज़ार अध्ययन का अर्थ है किसी उत्पाद को बनाने से पहले लोगों से बातचीत करना, उनका अवलोकन करना और उनकी बातों को ध्यान से सुनना। वास्तविक व्यवहार को देखने से वास्तविक समस्याएँ समझ में आती हैं।

केस 2: बस स्टॉप की समस्या

मुख्य बिंदु

- टीम ने लोगों की दैनिक कठिनाइयों को समझने के लिए उनका अवलोकन किया।
- वास्तविक समस्या मनोरंजन की नहीं थी, बल्कि छाया, बैठने की व्यवस्था और जानकारी की थी।

सोचें–जोड़ी बनाएं–साझा करें

मुख्य बिंदु

लोगों को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उनके बारे में जानकारी प्राप्त करने की इस प्रक्रिया को हम क्या कहते हैं?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

आवश्यकता, समस्या, कठिनाई

संकल्पना 1.2: बाज़ार आवश्यकताएँ

मुख्य बिंदु

बाज़ार आवश्यकताएँ वे वास्तविक जीवन की कठिनाइयाँ हैं जिनका लोग सामना करते हैं, न कि वे बातें जो व्यवसाय केवल अनुमान के आधार पर मान लेते हैं।

केस 3: अमूल की शुरुआत

मुख्य बिंदु

- अमूल की शुरुआत उत्पादन से नहीं, बल्कि लोगों की बात सुनने से हुई थी।

चर्चा के प्रश्न

- अमूल का ग्राहक कौन था?
- क्या अमूल की शुरुआत किसी उत्पाद से हुई थी या किसी समस्या से? क्यों?
- किसानों ने अमूल पर विश्वास क्यों किया?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- ग्राहक: किसान
- शुरुआत उत्पाद से नहीं, बल्कि समस्या से हुई
- विश्वास समझ और निष्पक्षता के कारण बना

संकल्पना 2: अपने ग्राहक को जानना

मुख्य बिंदु

सफल विचार हमेशा ग्राहक की गहरी समझ से शुरू होते हैं।

सोचें–जोड़ी बनाएं–साझा करें

मुख्य बिंदु

यदि हम चाहते हैं कि हमारा विचार सफल हो, तो हमें सबसे गहराई से किसे समझना चाहिए?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

ग्राहक, उपयोगकर्ता, लोग

विकसित उद्यमिता कौशल

- **ग्राहक सहानुभूति** – वास्तविक उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं, पसंद और कठिनाइयों को समझना।
- **अवलोकन कौशल** – देखने और सुनने के माध्यम से समस्याओं को पहचानना।
- **बाज़ार अध्ययन कौशल** – उचित प्रश्न पूछकर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करना।
- **समस्या–समाधान समन्वय** – यह सुनिश्चित करना कि विचार वास्तविक समस्याओं से शुरू हों, केवल अनुमान से नहीं।

समीक्षा

- अच्छे विचार तब असफल हो जाते हैं जब उद्यमी वास्तविक उपयोगकर्ताओं को समझे बिना समाधान तैयार कर लेते हैं।
- बाज़ार अध्ययन वास्तविक आवश्यकताओं को सामने लाने में मदद करता है, न कि केवल अनुमान को।
- लोगों से बात करना, उनके व्यवहार का अवलोकन करना और सही प्रश्न पूछना बेहतर समाधान तक पहुँचाता है।
- सफल विचार हमेशा ग्राहकों की बात सुनने और वास्तविक समस्या की पहचान से शुरू होते हैं।

6.2 प्रोटोटाईप को समझना

उद्देश्य

- विद्यार्थियों को यह समझना चाहिए कि प्रारूप जोखिम को कम करता है और संसाधनों की बचत करता है।
- विद्यार्थियों को किसी विचार को वास्तविक रूप देने से पहले उसके प्रारूप का परीक्षण और प्रयोग करना चाहिए।

केस स्टडी

केस 4: वो ऐप जो कभी लॉन्च ही नहीं हुआ

गलती: उपयोगकर्ताओं की तैयारी और आवश्यकता को जाँचे बिना ही अनुप्रयोग बनाना शुरू कर दिया गया।

चर्चा के प्रश्न

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

विद्यार्थियों को यह निष्कर्ष निकालना चाहिए कि चालकों और अभिभावकों के साथ पहले परीक्षण करना चाहिए था।

अपने समूहों में चर्चा करें:

- टीम ने क्या गलती की?
- पूरा app बनाने से पहले उन्हें क्या करना चाहिए था?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

परीक्षण करना, पहले आज़माना, जाँच करना, पहले लोगों को दिखाना

संकल्पना 3: प्रारूप

प्रारूप किसी विचार को प्रारम्भिक चरण में जाँचने के लिए बनाया गया सरल परीक्षण रूप होता है।

केस 5: स्कूल कैंटीन की कतार

मुख्य बिंदु

विद्यार्थियों को यह समझने के लिए मार्गदर्शन करें कि:

- यह एक सेवा प्रारूप था।
- कोई वस्तु नहीं बनाई गई थी; केवल प्रक्रिया का परीक्षण किया गया था।

चर्चा के प्रश्न

अपने समूहों में चर्चा करें:

- क्या यह एक वस्तु थी या एक प्रक्रिया?
- क्या इसमें किसी भौतिक वस्तु का उपयोग हुआ?
- वास्तव में क्या परीक्षण किया गया?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

शिक्षार्थी निष्कर्ष निकालेंगे कि एक सेवा या व्यवस्था का परीक्षण किया गया था।

संकल्पना 4: सेवा प्रारूप

किसी सेवा को पूर्ण रूप से लागू करने से पहले यह जाँचने के लिए उपयोग किया जाता है कि वह कैसे कार्य करेगी।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **प्रयोग की सोच** – पूर्ण विकास से पहले विचारों का परीक्षण करना।
- **जोखिम प्रबंधन** – छोटे स्तर पर विचारों को आज़माकर संभावित हानि को कम करना।
- **क्रिया के माध्यम से सीखना** – केवल अनुमान लगाने के बजाय कार्य करके समझ को बेहतर बनाना।
- **खुले दृष्टिकोण** – यह स्वीकार करना कि प्रारम्भिक विचारों में परिवर्तन की आवश्यकता हो सकती है।

समीक्षा

- एक ही बार में सब कुछ तैयार करने से प्रयास की हानि हो सकती है और गलत निर्णय लिए जा सकते हैं।
- प्रारूप उद्यमियों को पूर्ण विकास से पहले अपने विचारों का परीक्षण करने की अनुमति देता है।
- प्रारूप वस्तु या सेवा दोनों के लिए हो सकता है और इसके लिए हमेशा तकनीक की आवश्यकता नहीं होती।
- किसी विचार को सरल तरीके से आज़माने से यह समझ में आता है कि उपयोगकर्ता वास्तव में क्या चाहते हैं।

बिना निर्माण के प्रोटोटाइप

साप्ताहिक कार्य

मुख्य बिंदु

भूमिका निभाने और कल्पना का उपयोग करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करें। किसी भी सामग्री की आवश्यकता नहीं है।

6.3 उद्यमिता का 5 M सिद्धांत

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को यह समझाने में सहायता करना कि उद्यमिता केवल विचारों पर आधारित नहीं होती, बल्कि संसाधनों के संतुलित उपयोग पर भी निर्भर करती है।
- उपलब्ध संसाधनों की पहचान करने और उनका रचनात्मक ढंग से प्रबंधन करने का अभ्यास कराना।

केस स्टडी

केस 6: चाय की दुकान का प्रयोग

मुख्य बिंदु

छोटे परीक्षण बड़े नुकसान से बचाते हैं।

चर्चा के संकेत

समूहों में शिक्षार्थी चर्चा करें:

- चाय बेचने वाले ने किस चीज़ से बचाव किया?
- उसे क्या लाभ मिला?
- यह निर्णय समझदारी भरा क्यों था?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- आर्थिक जोखिम से बचाव किया।
- ग्राहकों की पसंद और आवश्यकता को समझा।
- यह सीखा कि कब बिक्री करना अधिक उपयुक्त है।

संकल्पना 5: उद्यमिता का 5 M सिद्धांत

नवप्रवर्तक पहले अपने विचारों का छोटे स्तर पर परीक्षण क्यों करते हैं?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- नुकसान से बचने के लिए।
- सीखने के लिए।
- सुधार करने के लिए।

मुख्य बिंदु

- प्रत्येक M को कक्षा के उदाहरणों के माध्यम से समझाएँ।
- यह स्पष्ट करें कि यदि किसी एक M में कमजोरी हो, तो उसका प्रभाव पूरे व्यवसाय पर पड़ता है।

गतिविधि 6.1 अपना 5M वेब बनाएँ

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- यथार्थवादी सोच को प्रोत्साहित करें।
- पूर्णता की अपेक्षा करने से बचें।

चिंतन मार्गदर्शन

यदि किसी एक M की कमी हो = व्यवसाय को कठिनाइयों

विकसित उद्यमिता कौशल

- **संसाधन योजना** – लोगों, धन, सामग्री, मशीन और बाज़ार की पहचान करना तथा उन्हें व्यवस्थित करना।
- **प्रणालीगत सोच** – यह समझना कि विभिन्न संसाधन किस प्रकार मिलकर कार्य करते हैं।
- **संभाव्यता विश्लेषण** – यह जाँचना कि कोई विचार वास्तव में कार्य कर सकता है या नहीं।
- **निर्णय क्षमता** – उपलब्ध संसाधनों की ताकत और कमी को पहचानना।

समीक्षा

- प्रत्येक व्यवसायिक विचार पाँच मुख्य संसाधनों पर निर्भर करता है: मनुष्य, धन, सामग्री, मशीन और बाज़ार।
- छोटे स्तर पर विचारों का परीक्षण करना जोखिम को कम करता है और सीखने में सहायता करता है।
- यदि पाँच में से किसी एक M की अनदेखी की जाए, तो पूरा व्यवसाय कमजोर हो सकता है।
- सफल उद्यमी विस्तार करने से पहले संसाधनों का संतुलित और रचनात्मक उपयोग करते हैं।

6.4 प्रोटोटाइप का निर्माण

उद्देश्य

- यह समझना कि प्रोटोटाइप सीखने का एक महत्वपूर्ण साधन है।
- प्रोटोटाइप को 5 M सिद्धांत से जोड़ना।

पुनरावलोकन गतिविधि 6.2: 'M' पहचानें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों से ध्यानपूर्वक सुनने के लिए कहें।
- एक-एक करके व्यवसाय से जुड़े सरल कार्य बोलें (जैसे कच्चा माल खरीदना, सहायक रखना, ग्राहक ढूँढना)।
- शिक्षार्थी मौखिक रूप से या हाथ उठाकर सही M (मनुष्य, धन, सामग्री, मशीन, बाज़ार) की पहचान करें।
- त्वरित उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें — इस चरण में अधिक व्याख्या न करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थियों द्वारा आत्मविश्वास से दिए गए उत्तरों को स्वीकार करें और आवश्यकता होने पर ही संक्षेप में सुधार करें।
- गतिविधि की गति तेज और ऊर्जावान बनाए रखें।
- प्रोटोटाइप और उसके प्रकारों का संक्षिप्त पुनरावलोकन

फैसिलिटेटर कहें:

'बहुत अच्छा ! अब जब हमें अपने 5 M याद हो गए हैं, तो आइए इनका उपयोग करके कुछ वास्तविक बनाते हैं — अपना प्रोटोटाइप।'

गतिविधि 6.3 मेरा प्रथम मॉडल

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को उनके प्रारम्भिक उद्यम समूहों में विभाजित करें और उन्हें सरल या पुनः उपयोग की जाने वाली सामग्री दें।
- समझाएँ कि उद्देश्य एक मूल मॉडल या चित्र बनाना है, न कि पूर्ण उत्पाद तैयार करना।
- समूहों से कहें कि वे अपने उत्पाद के विचार का मॉडल बनाएँ या चित्र तैयार करें और उस पर पाँचों M को स्पष्ट रूप से अंकित करें।
- शिक्षार्थियों को याद दिलाएँ कि प्रत्येक चिन्ह को वास्तविक निर्णयों से जोड़ें — कौन, क्या, कैसे, किसके लिए और कितनी लागत।
- जब मॉडल तैयार हो जाएँ, तो 'प्रोटोटाइप भ्रमण' आयोजित करें, जिसमें समूह इधर-उधर जाकर अन्य समूहों के कार्य को देखें और समझें।
- अंत में एक संक्षिप्त चिंतन चर्चा करें कि विचार को वास्तविक रूप देने से शिक्षार्थियों ने क्या सीखा।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **व्यावहारिक समस्या समाधान** – विचारों को वास्तविक मॉडल में बदलना।
- **सीमित संसाधनों में सृजनात्मकता** – उपलब्ध साधनों का प्रभावी उपयोग करना।
- **सिद्धांत का प्रयोग** – 5 M को वास्तविक उत्पाद के निर्माण से जोड़ना।
- **संचार कौशल** – मॉडल और चित्रों के माध्यम से विचारों को समझाना।

समीक्षा

- प्रोटोटाइप विचारों को दिखाई देने वाले और परीक्षण योग्य रूप में बदल देता है।
- कम लागत वाले मॉडल प्रारम्भिक चरण में ही डिजाइन की कमियों को पहचानने में सहायता करते हैं।
- प्रोटोटाइप को 5 M से जोड़ने से विचार की व्यवहारिकता पर बेहतर सोच विकसित होती है।
- किसी विचार को भौतिक रूप में बनाना ऐसे अनुभव और समझ प्रदान करता है, जो केवल योजना बनाने से प्राप्त नहीं हो पाते।

6.5 अल्फा और बीटा परीक्षण

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता करना कि आंतरिक जाँच और उपयोगकर्ता परीक्षण में क्या अंतर होता है। (अल्फा परीक्षण Vs बीटा परीक्षण)

केस स्टडी

केस 7: स्कूल ऐप की विफलता

मुख्य बिंदु

- समस्या विचार में नहीं थी, बल्कि परीक्षण में थी।

संकल्पना 6: अल्फा परीक्षण

- गलतियों का जल्दी पता लगाने के लिए क्रिएटर्स द्वारा इंटरनल टेस्टिंग।।

के स 8: कैंटीन मेनू टेस्ट (बीटा परीक्षण)

संकल्पना 7: बीटा परीक्षण

छोटे स्तर पर वास्तविक उपयोगकर्ताओं के साथ परीक्षण करना।

केस 9: टूटा हुआ पेंसिल बॉक्स

संकल्पना 8: इटरेशन

प्रतिक्रिया के आधार पर विचारों में बार-बार सुधार करना।

गतिविधि 6.4 भरोसा करने से पहले जाँच करें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थियों को उनके वर्तमान व्यवसाय समूहों में बैठने के लिए कहें।
2. प्रत्येक समूह से कहें कि वे अपने प्रारम्भिक उद्यम विचार को याद करें और निम्नलिखित बातें लिखें:
    - अल्फा परीक्षण के दौरान वे कौन-सी एक बात जाँचेंगे (आंतरिक जाँच)।
    - उनके बीटा उपयोगकर्ता कौन होंगे (वास्तविक उपयोगकर्ता)।
    - उपयोगकर्ताओं से उन्हें किस प्रकार की एक प्रतिक्रिया मिलने की अपेक्षा है।
3. समूहों को चर्चा करने और अपने उत्तर लिखने के लिए कुछ समय दें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

शिक्षार्थियों के लिए मार्गदर्शन:

- वास्तविक परीक्षण करने वाले लोगों की पहचान करना।
- उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया को महत्व देना।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

सोचें – जोड़ी बनाएँ – साझा करें

- मार्गदर्शक प्रश्नों के आधार पर सोचें–जोड़ी बनाएँ–साझा करें चर्चा आयोजित करें।
- 2–3 समूहों को कक्षा के सामने अपने उत्तर साझा करने के लिए आमंत्रित करें।
- विद्यार्थियों के उत्तरों के माध्यम से मुख्य विचारों को स्पष्ट करें।

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- अल्फा परीक्षण त्रुटियों को खोजने में सहायता करता है।
- बीटा परीक्षण उत्पाद को अधिक उपयोगी बनाने में सहायता करता है।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **परीक्षण और सत्यापन कौशल** – प्रारम्भ से पहले विचारों की जाँच करना।
- **विश्लेषणात्मक सोच** – त्रुटियों और सुधार के क्षेत्रों की पहचान करना।
- **उपयोगकर्ता-केंद्रित सोच** – वास्तविक उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया को महत्व देना।
- **गुणवत्ता के प्रति सजगता** – चरणबद्ध परीक्षण के महत्व को समझना।

समीक्षा

- परीक्षण किए बिना किसी उत्पाद या सेवा को प्रस्तुत करना असफलता का कारण बन सकता है, चाहे विचार कितना भी अच्छा क्यों न हो।
- अल्फा परीक्षण उपयोगकर्ताओं को शामिल करने से पहले आंतरिक स्तर पर त्रुटियों को खोजने में सहायता करता है।
- बीटा परीक्षण वास्तविक उपयोगकर्ताओं से प्रतिक्रिया प्राप्त करके उत्पाद या सेवा की उपयोगिता को बेहतर बनाने में सहायता करता है।
- प्रतिक्रिया सुधार का एक महत्वपूर्ण साधन है, यह असफलता का संकेत नहीं होती।

6.6 फ़ीडबैक और इटरेशन

उद्देश्य

- यह समझना कि पुनरावृत्ति का क्या अर्थ है।
- प्रतिक्रिया के आधार पर उत्पाद में संशोधन और सुधार करना सीखना।
- निरंतर प्रयास और सीखने के महत्व को समझना।

पुनरावलोकन गतिविधि 6.5 : दो प्रशंसा और एक सुझाव

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों से कक्षा में प्रदर्शित किसी एक प्रोटोटाइप को ध्यान से देखने के लिए कहें।
- प्रत्येक शिक्षार्थी को निर्देश दें कि वह उस प्रोटोटाइप के बारे में **दो अच्छी बातें और एक सुधार का सझुाव** साझा करे।
- प्रतिक्रिया के बाद, संक्षेप में **स्विगी (Swiggy)** का उदाहरण साझा करें ताकि यह दिखाया जा सके कि वास्तविक व्यवसाय उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रियाओं के माध्यम से कैसे सुधार करते हैं।
- अंत में यह स्पष्ट करते हुए निष्कर्ष दें कि **इटरेशन का अर्थ है प्रतिक्रिया के आधार पर किसी विचार में बार-बार सुधार करना**, और प्रतिक्रिया विचारों को अधिक मजबूत बनाने में सहायता करती है।

गतिविधि 6.6 संस्करण 2.0 चुनौती

मुख्य बिंदु

- प्रतिक्रिया असफलता नहीं है। यह प्रगति है।
- ग्राहक उत्पादों से पहले आते हैं।
- परीक्षण जोखिम को कम करता है।
- 5 M व्यवहार्यता का मार्गदर्शन करते हैं।
- प्रतिक्रिया सुधार की ओर ले जाती है।
- नवाचार एक प्रक्रिया है, कोई घटना नहीं।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- चिंतन को प्रोत्साहित करें।
- परिवर्तनों को सामान्य बनाएं।
- तकनीकी जटिलता से बचें।
- सोच पर ध्यान दें, न कि व्यावसायिक शब्दावली पर।
- सही उत्तरों से अधिक चर्चा को प्रोत्साहित करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विकासशील दृष्टिकोण** – प्रतिक्रिया को सुधार का अवसर मानना।
- **लचीलापन और निरंतर प्रयास** – आलोचना या कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ते रहना।
- **निरंतर सुधार** – विचारों को चरणबद्ध तरीके से बेहतर बनाना।
- **चिंतनशील सोच** – अनुभव से सीखकर बेहतर निर्णय लेना।

समीक्षा

- कोई भी पहला संस्करण पूर्ण नहीं होता; सुधार पुनरावृत्ति के माध्यम से ही संभव होता है।
- प्रतिक्रिया विचार की शक्तियों और सुधार के क्षेत्रों को स्पष्ट करती है।
- पुनरावृत्ति अनुकूलन क्षमता, धैर्य और सीखने की इच्छा को दर्शाती है।
- प्रत्येक नया संस्करण उत्पाद को उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं के और अधिक निकट ले जाता है।

अध्याय 07

डिजिटल बढ़त हासिल करना

T1W8H5

कालांश: 5

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- यह समझाने में कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल उपकरण व्यवसाय की दक्षता को कैसे बढ़ाते हैं और ग्राहक अनुभव में सुधार करते हैं।
- प्रासंगिक उदाहरणों का उपयोग करके पारंपरिक (ऑफलाइन) व्यावसायिक प्रक्रियाओं की तुलना एआई-सक्षम और डिजिटल दृष्टिकोणों से करने में।
- विज़ुअल प्रेज़ेंटेशन टूल जैसे पावरपॉइंट या कैनवा (जहाँ आवश्यक हो कागज पर सिम्युलेटेड) का उपयोग करके एक सरल व्यावसायिक प्रोटोटाइप को डिज़ाइन और दस्तावेज़ीकृत करने में।
- स्प्रेडशीट लॉजिक (एक्सेल) का उपयोग करके बुनियादी व्यावसायिक डेटा को रिकॉर्ड, व्यवस्थित और विश्लेषित करने में।
- फीडबैक एकत्र करने, जानकारी का विश्लेषण करने और सहयोगात्मक रूप से व्यावसायिक विचार प्रस्तुत करने के लिए डिजिटल टूल (गूगल फॉर्म, शीट, डॉक्स) का उपयोग करने में।

U3G4U7

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा है कि आधुनिक उद्यमिता के लिए डिजिटल कौशल क्यों आवश्यक हैं, यहाँ तक कि लघु और स्कूल-स्तरीय उद्यमों में भी।
- सीखा है कि कैसे बुनियादी डिजिटल उपकरण (दस्तावेज़, स्प्रेडशीट और प्रेज़ेंटेशन) संगठन, स्पष्टता और व्यावसायिकता में सुधार करते हैं।
- डेटा को एक निर्णय लेने वाले उपकरण के रूप में पहचाना है, जो उद्यमियों को बिक्री, लागत और ग्राहक प्राथमिकताओं को ट्रैक करने में मदद करता है।
- यह पता लगाया है कि तकनीक रिकॉर्ड-कीपिंग से लेकर संचार और योजना तक, व्यावसायिक दक्षता का समर्थन कैसे करती है।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की एक प्रारंभिक समझ विकसित की है कि यह एक सहायक उपकरण है, न कि मानवीय सोच का विकल्प।
- मानवीय निर्णय और मूल्यों को केंद्र में रखते हुए डिजिटल टूल और एआई के जिम्मेदार और नैतिक उपयोग पर विचार किया है।

अध्याय का औचित्य

➢ आज की अर्थव्यवस्था में, डिजिटल साक्षरता एक मुख्य उद्यमशील कौशल है। यह अध्याय विद्यार्थियों को पारंपरिक व्यावसायिक प्रथाओं और आधुनिक डिजिटल तरीकों के बीच के अंतर को पता लगाने में मदद करता है और आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस को मानवीय निर्णय के विकल्प के बजाय एक सहायक उपकरण के रूप में समझने में मदद करता है। यह योजना, दस्तावेजीकरण और निर्णय लेने के लिए सरल डिजिटल टूल का उपयोग करने में विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी बनाता है, और उन्हें एनईपी 2020 के अनुरूप भविष्य के कार्यस्थलों और उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र के लिए तैयार करता है।

अध्याय का केन्द्र बिंदु	व्यवसाय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
संरेखति (SDGs) एसडीजी	**SDG 9: उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा** एआई, डिजिटल उपकरणों, प्रेजेंटेशन और स्प्रेडशीट का उपयोग विद्यार्थियों को तकनीक-संचालित नवाचार से परिचित कराता है। **SDG 8: सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास** डिजिटल उपकरण आधुनिक व्यवसायों के लिए उत्पादकता, दक्षता और सूचित निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाते हैं। **SDG 4: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** आजीवन सीखने के लिए आवश्यक डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार तकनीकी उपयोग का निर्माण करता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	यह अध्याय डिजिटल साक्षरता का निर्माण करता है और यह प्रदर्शित करता है कि तकनीक किस प्रकार व्यावसायिक दक्षता और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सुधार करती है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ संरेखण	➢ सभी विषयों में डिजिटल साक्षरता और तकनीकी एकीकरण का समर्थन करना। ➢ उद्यमिता, तकनीक, संचार और डेटा कौशल को जोड़कर बहु-विषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करना। ➢ एनईपी के शिक्षार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ संरेखित सहयोगात्मक और परियोजना-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देना। ➢ तकनीक के नैतिक और जिम्मेदार उपयोग पर ज़ोर देना, जो एक प्रमुख एनईपी प्राथमिकता है।

7.1 व्यापार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इसका उपयोग

उद्देश्य

- यह समझाना कि छोटे और स्थानीय व्यवसायों में दक्षता और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए चैटबॉट्स जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों का उपयोग कैसे किया जाता है।
- वास्तविक जीवन के केस स्टडी का उपयोग करके पारंपरिक ऑफलाइन व्यावसायिक प्रक्रियाओं की तुलना ए आई-सक्षम दृष्टिकोणों से करना।

केस स्टडी — फोन कॉल से स्मार्ट चैट तक

यह केस स्टडी इस बात की पड़ताल करती है कि कैसे **'घर का स्वाद'** एक **पारंपरिक ऑफलाइन भोजन वितरण प्रणाली** से आधुनिक ऑनलाइन चैटबॉट-आधारित दृष्टिकोण की ओर बढ़ता है, जो हमें यह समझने में मदद करता है कि तकनीक कैसे छोटे व्यवसायों को बदल रही है।

मुख्य बिंदु

विद्यार्थियों को रोजमर्रा के व्यावसायिक उदाहरणों के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को समझने में मदद करें, तकनीकी परिभाषाओं के माध्यम से नहीं—ऑफलाइन और एआई-सक्षम प्रक्रियाओं के बीच तुलना पर ज़ोर दें।

गतिविधि 7.1 — सोचें-जोड़ी बनाएं-साझा करें

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- विद्यार्थियों को 'घर का स्वाद' का केस शांति से पढ़ने के लिए कहें।
- व्यक्तिगत सोच के लिए 2 मिनट का समय दें।
- शिक्षार्थीएक साथी के साथ उत्तरों पर चर्चा करें।
- 2-3 जोड़ों को कक्षा के साथ प्रतिक्रियाएं साझा करने के लिए आमंत्रित करें।

चर्चा के प्रश्न

- ऑफलाइन चुनौतियां: समय लेने वाली कॉल, ऑर्डर की गलतियां, सीमित कार्य घंटे और मैन्युअल रिकॉर्ड रखना।
- चैटबॉट के साथ: तेज़ी से ऑर्डर लेना, 24x7 उपलब्धता, कार्यभार में कमी, बेहतर रिकॉर्ड रखना।
- विकास सहायता: ऑनलाइन/चैटबॉट दृष्टिकोण स्केलेबिलिटी, गति और ग्राहक सुविधा का समर्थन करता है।

रुकें और विचार करें

1. क्या आप एक छोटे खाद्य व्यवसाय के लिए चैटबॉट की सिफारिश करेंगे? क्यों?
2. क्या ऑफलाइन सेवा और चैटबॉट्स मिलकर काम कर सकते हैं? एक उदाहरण दें।

मुख्य बिंदु

- संतुलित उत्तरों को प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को यह पहचानने के लिए प्रेरित करें कि ऑफलाइन + डिजिटल का संयोजन अक्सर सबसे अच्छा काम करता है (हाइब्रिड मॉडल)।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **डिजिटल जागरूकता** – यह समझना कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल उपकरण व्यावसायिक दक्षता का समर्थन कैसे करते हैं।
- **तकनीक के साथ समस्या-समाधान** – उन कार्यों की पहचान करना जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों का उपयोग करके बेहतर बनाया जा सकता है।
- **नवाचार मानसिकता** – डिजिटल समाधानों के माध्यम से ग्राहकों की सेवा करने के नए तरीकों की खोज करना।
- **जोखिम जागरूकता** – नैतिक चिंताओं, सीमाओं और एआई के जिम्मेदार उपयोग को पहचानना।

समीक्षा

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नियमित कार्यों को स्वचालित करने और मानवीय प्रयास को कम करने में मदद करता है।
- छोटे व्यवसाय भी सरल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उपकरणों को अपना सकते हैं।
- विचारपूर्वक उपयोग किए जाने पर तकनीक विकास का समर्थन करती है।

साप्ताहिक कार्य

कार्य 1: एक उद्यमी की तरह सोचें

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थी किसी एक कार्य को चुनते हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मदद कर सकता है।
- वे एक लाभ और एक जोखिम लिखते हैं।
- यथार्थवादी सोच को प्रोत्साहित करें, न कि एआई की अंधी प्रशंसा।

कार्य 2: एक मिनी चैटबॉट डिज़ाइन करें

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थी एक साधारण चैटबॉट बातचीत का मसौदा तैयार करते हैं।
- स्पष्टता, विनम्रता और उपयोगिता पर ध्यान केंद्रित करें।
- इसमें किसी तकनीकी कोडिंग की आवश्यकता नहीं है।

7.2 प्रोटोटाइप को डिज़ाइन करना और उसका दस्तावेज़ीकरण

उद्देश्य

- व्यावसायिक विचार को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करने में दस्तावेजीकरण और विजुअल प्रेजेंटेशन के महत्व को समझना।
- पेपर-आधारित प्रेजेंटेशन तकनीकों का उपयोग करके अपने व्यावसायिक विचार की एक संरचित विजुअल योजना बनाना।

कहानी का समय: कैनवा इंडिया: डिजाइनिंग हुई आसान

मुख्य बिंदु

- दस्तावेजीकरण को सजावट के रूप में नहीं, बल्कि कहानी सुनाने के रूप में रेखांकित करें।
- डिजाइन की पूर्णता के बजाय स्पष्टता पर जोर दें। कैनवा की सफलता को गैर-डिजाइनरों के लिए उपयोग में आसानी और पहुंच से जोड़ें।

गतिविधि 7.2 पेपर कैनवा बोर्ड

सामग्री

3-4 खाली A4 शीट या नोटबुक के पन्ने, मार्कर, रंगीन पेंसिल और स्केच।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. कक्षा को 4-5 के समूहों में विभाजित करें।
2. समझाएं कि प्रत्येक पृष्ठ एक डिजिटल स्लाइड के बराबर है।
3. चार आवश्यक पृष्ठों के माध्यम से समूहों का मार्गदर्शन करें।
4. पृष्ठों को क्रम में प्रदर्शित करें और 1 मिनट की प्रेजेंटेशन की अनुमति दें।
5. विद्यार्थियों को इस बात पर चिंतन करने के लिए प्रेरित करें कि 'अपनी स्लाइड डिजाइन करने से उन्हें अपने उत्पाद को बेहतर ढंग से समझने में कैसे मदद मिली?'

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विजुअल संचार-** विचारों को स्पष्ट और आकर्षक रूप से प्रस्तुत करना।
- **दस्तावेजीकरण कौशल-** विचारों, प्रगति और योजनाओं को व्यवस्थित रूप से रिकॉर्ड करना।
- **व्यवसाय के लिए कहानी सुनाना-** समस्याओं और समाधानों को संरचित तरीके से समझाना।
- **रचनात्मकता और डिजाइन थिंकिंग-** विचारों को पेशेवर और आकर्षक बनाने के लिए सरल उपकरणों का उपयोग करना।

समीक्षा

- एक अच्छे विचार को दूसरों से समर्थन प्राप्त करने के लिए स्पष्ट संचार की आवश्यकता होती है।
- दस्तावेजीकरण उद्यमियों को अपने विचार को सरलता और विजुअल रूप से समझाने में मदद करता है।
- कागज पर स्लाइड डिजाइन करने से विचारों को व्यवस्थित करने और उत्पाद की कहानी को स्पष्ट करने में मदद मिलती है।
- विजुअल प्रेजेंटेशन आत्मविश्वास और व्यावसायिकता का निर्माण करती है, यहाँ तक कि डिजिटल उपकरणों के बिना भी।

7.3 व्यावसायिक प्रगति की योजना बनाना और उसे ट्रैक करना

उद्देश्य

- टेबल प्रारूपों का उपयोग करके लागत, बिक्री और लाभ पर बुनियादी व्यावसायिक डेटा रिकॉर्ड और व्यवस्थित करना।
- व्यावसायिक निर्णयों का समर्थन करने के लिए कुल योग, औसत और बुनियादी चार्ट का उपयोग करके सरल डेटा का विश्लेषण करना।

गतिविधि 7.3 (a और b) बिजनेस ट्रैकर शीट

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

1. शिक्षार्थी मैन्युअल रूप से बिजनेस ट्रैकर टेबल बनाते हैं।
2. चर्चा करें कि कौन सी जानकारी पहले से ज्ञात है।
3. स्प्रेडशीट संगठन के विचार से परिचित कराएं।
4. 5 दिनों के लिए नमूना डेटा जोड़ें।
5. लाभ, कुल लाभ और औसत की गणना करें।
6. एक सरल बार चार्ट बनाएं।

मुख्य बिंदु

- संख्याओं के डर को दूर करें।
- **सॉफ्टवेयर के बजाय लॉजिक** पर ज़ोर दें।
- डेटा व्यावसायिक प्रश्नों के उत्तर देने में मदद करता है।
- संगठन सटीकता में सुधार करता है।
- चार्ट रुझानों (trends) को स्पष्ट रूप से दिखाते हैं।

चर्चा के प्रश्न

किस दिन आपको सबसे अधिक लाभ हुआ? उस अंतर का क्या कारण हो सकता है?

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

विद्यार्थियों को उच्च-लाभ वाले दिनों को मांग, मूल्य निर्धारण और प्रचार जैसे कारणों से जोड़ने के लिए मार्गदर्शन करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **डेटा साक्षरता** – व्यावसायिक जानकारी को सटीकता से रिकॉर्ड करना और व्यवस्थित करना।
- **विश्लेषणात्मक सोच** – प्रदर्शन और रुझानों को समझने के लिए संख्याओं की व्याख्या करना।
- **निर्णय लेने का कौशल** – मूल्य निर्धारण, बिक्री और योजना में सुधार के लिए डेटा का उपयोग करना।
- **वित्तीय अनुशासन** – लागत, आय और लाभ को ट्रैक करने की आदतें विकसित करना।

समीक्षा

- व्यवसाय परिणामों का अनुमान लगाकर नहीं, बल्कि संख्याओं को ट्रैक करके बढ़ते हैं।
- लागत, मूल्य और लाभ रिकॉर्ड करने से वित्तीय जागरूकता बढ़ती है।
- एक्सेल वाली सोच प्रदर्शन, रुझानों और निर्णय बिंदुओं का विश्लेषण करने में मदद करती है।
- डेटा-आधारित चिंतन स्मार्ट योजना और सुधार का समर्थन करता है।

गूगल टूल्स का उपयोग करके उत्पाद लॉन्च की योजना बनाना

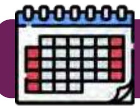

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- यदि उपकरण उपलब्ध न हों, तो कार्यों को वैचारिक रूप से समझाएं।
- टीम वर्क और भूमिका विभाजन को प्रोत्साहित करें।
- सुनिश्चित करें कि शिक्षार्थी सर्वेक्षण नैतिकता और ईमानदार डेटा संग्रह के महत्व को समझें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- सरल भाषा का प्रयोग करें; तकनीकी शब्दावली से बचें।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के बारे में नैतिक चर्चाओं को प्रोत्साहित करें।
- टूल की विशेषज्ञता के बजाय सोचने के कौशल पर ध्यान दें।
- स्कूल की डिजिटल पहुंच के आधार पर लचीलेपन की अनुमति दें।

मुख्य बिंदु

- गूगल फॉर्म में प्रश्नों की गुणवत्ता।
- शीट्स में तार्किक गणना।
- डॉक्स प्रस्ताव में स्पष्टता और संरचना।

अध्याय 08

वित्तीय मैट्रिक्स

Q2R1B6

कालांश: 3

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- अपने व्यवसाय या प्रोटोटाइप विचार के लिए आय और व्यय की पहचान करके एक सरल बजट तैयार करना।
- एक मूल लाभ एवं हानि विवरण तैयार करना और यह समझना कि व्यवसायिक विचार से लाभ हो रहा है या हानि।

Z8J1G1

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा कि अच्छे विचारों के साथ अच्छी वित्तीय योजना भी आवश्यक होती है, और समान प्रयास भी धन प्रबंधन के आधार पर अलग-अलग परिणाम दे सकते हैं।
- व्यवसायिक वित्त की मूल शब्दावली जैसे आय, व्यय, लाभ, बचत और पुनर्निवेश को सीखा।
- खर्च करने से पहले योजना बनाने का अभ्यास किया, जिसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लागत की पहचान कर सरल बजट तैयार करना शामिल था।
- यह पहचाना कि बजट बनाना खर्चों को नियंत्रित करने, अपव्यय रोकने और छोटे व्यवसायों में बेहतर निर्णय लेने में सहायक होता है।
- व्यवसाय में बैंकों की भूमिका को समझा, जैसे धन को सुरक्षित रखना, अभिलेख बनाए रखना और विकास में सहयोग देना।
- वित्तीय योजना को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ा और समझा कि जिम्मेदार धन प्रबंधन की आदतें उद्यमिता की सफलता को सुदृढ़ बनाती हैं।

अध्याय का औचित्य

➢ यह अध्याय शिक्षार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक बुनियादी वित्तीय सोच से परिचित कराता है। यह उन्हें समझने में मदद करता है कि अच्छे विचारों को सफल होने और आगे बढ़ने के लिए सावधानीपूर्वक धन योजना की आवश्यकता होती है। सरल और दैनिक जीवन से जुड़े गतिविधियों के माध्यम से शिक्षार्थी बजट, आय, व्यय, लाभ और हानि जैसे महत्वपूर्ण अवधारणाओं को सीखते हैं। इस अध्याय का उद्देश्य जटिल लेखांकन सिखाना नहीं है, बल्कि वित्तीय जागरूकता, निर्णय लेने की क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कुल मिलाकर, यह अध्याय शिक्षार्थियों को सिखाता है कि वे खर्च करने से पहले सोचें, शुरुआत करने से पहले योजना बनाएं, बचत करने से पहले निर्णय लें और विकास करने से पहले उसका मूल्यांकन करें।

अध्याय का केंद्र बिंदु	बजट बनाना, लाभ–हानि, वित्त प्रबंधन
संबद्ध सतत विकास लक्ष्य (Aligned SDGs)	**SDG 8: सम्मानजनक कार्य और आर्थिक विकास** वित्तीय योजना, बजट बनाना और लाभ–हानि का विश्लेषण शिक्षार्थियों को जिम्मेदार आर्थिक भागीदारी के लिए तैयार करता है। **SDG 12: जिम्मेदार उपभोग और उत्पादन** बजट बनाना सोच-समझकर खर्च करने, संसाधनों के कुशल उपयोग और अपव्यय को कम करने के लिए प्रेरित करता है। **SDG 1: गरीबी समाप्त करना** वित्तीय साक्षरता शिक्षार्थियों को ऐसी आदतें विकसित करने में मदद करती है जो दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता और मजबूती का समर्थन करती हैं।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	वित्तीय साक्षरता और जिम्मेदार धन प्रबंधन की आदतों का विकास
एनईपी (NEP) 2020 के साथ संरेखण	➢ यह सीधे तौर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में वित्तीय साक्षरता को एक आवश्यक जीवन कौशल के रूप में दिए गए महत्व का समर्थन करता है। ➢ अमूर्त गणनाओं के बजाय वास्तविक जीवन के अनुप्रयोग के माध्यम से संख्यात्मक कौशल (न्यूमेरेसी) को बढ़ावा देना। ➢ निर्णय लेने, योजना बनाने और चिंतन को प्रोत्साहित करना ताकि वास्तविक जीवन के लिए तैयारियाँ मजबूत हो सकें। ➢ व्यक्तिगत वित्त को उद्यमिता से जोड़कर समग्र विकास का समर्थन करना।

8.1 वित्तीय मैट्रिक्स को समझना

उद्देश्य

- दैनिक जीवन और व्यवसायिक परिस्थितियों में आय, स्थिर लागत और परिवर्ती लागत की पहचान करके बजट की अवधारणा और उसके महत्व को समझाना।
- संभावित खर्चों और अपेक्षित आय का अनुमान लगाकर किसी प्रोटोटाइप या छोटे व्यवसायिक विचार के लिए एक सरल बजट तैयार करना।

फैसिलिटेटर की तैयारी

- सुनिश्चित करें कि शिक्षार्थियों के पास कॉपी, पेंसिल और कैलकुलेटर (वैकल्पिक) हों।
- एक सरल और वास्तविक जीवन का उदाहरण तैयार रखें (जैसे: नींबू पानी का स्टॉल, कैंटीन की कोई वस्तु, या हाथ से बना उत्पाद)।

मुख्य बिंदु

- शिक्षार्थियों को समझना चाहिए कि बजट बनाना केवल संख्याएँ लिखना नहीं है, बल्कि योजना बनाना और सही चुनाव करना भी है।

गतिविधि 8.1 पॉकेट मनी प्लानर

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों से कहें कि वे अपनी साप्ताहिक पॉकेट मनी और खर्चों को व्यक्तिगत रूप से लिखें।
- ईमानदारी के लिए प्रोत्साहित करें और स्पष्ट करें कि इसमें कोई सही या गलत उत्तर नहीं है।

चर्चा के प्रश्न

1. यदि सप्ताह खत्म होने से पहले आपकी पॉकेट मनी समाप्त हो जाती है, तो आप क्या करते हैं?
2. आप अपने खर्चों की पहले से योजना कैसे बनाते हैं ताकि पैसे अधिक समय तक चल सकें?
3. हमारी आय और खर्चों की योजना बनाने के लिए कौन-सा मुख्य शब्द उपयोग किया जाता है?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

1. जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो शिक्षार्थी उधार लेना, कुछ चीजें छोड़ देना या माता-पिता से पैसे माँगना जैसी बातें बता सकते हैं।
2. खर्चों की सूची बनाना, आपात स्थिति के लिए योजना बनाना, जरूरतों को इच्छाओं से पहले रखना, बजट बनाना, पहले बचत निर्धारित करना।

मुख्य शब्द: बजट

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बजट शब्द का परिचय दें और समझाएँ कि यह आय और खर्चों की योजना है।
- यह भी बताएं कि उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने से पहले यह जानना जरूरी होता है कि उनका पैसा कहाँ खर्च हो रहा है।
- नींबू पानी के स्टॉल का उदाहरण देकर स्थिर लागत और परिवर्ती लागत समझाएँ:
  - ➢ स्थिर लागत : मेज, जग, गिलास
  - ➢ परिवर्ती लागत : नींबू, चीनी, पानी
  - ➢ आय : नींबू पानी बेचकर कमाया गया पैसा।

गतिविधि 8.2 बजट कार्यपत्रक

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थियों को वास्तविकता के आधार पर अनुमान लगाने के लिए मार्गदर्शन दें (पूर्णतः सही होना आवश्यक नहीं है)।
- समूहों को स्थिर लागत और परिवर्ती लागत के बीच अंतर समझने में मदद करें।

चर्चा के प्रश्न

1. क्या आपके प्रोटोटाइप विचार से लाभ हुआ या हानि?
2. अपने बजट को बेहतर बनाने के लिए आप कौन-सी लागत कम कर सकते हैं?
3. बजट तैयार करते समय आपको सबसे कठिन क्या लगा?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- कुछ विचारों में शुरुआत में हानि दिखाई दे सकती है।
- शिक्षार्थियों को आय का अनुमान लगाने में कठिनाई हो सकती है।
- सामग्री की सही लागत का अनुमान लगाना, सही बिक्री मूल्य तय करना, खर्च और लाभ के बीच संतुलन बनाना, तथा सभी छोटे-छोटे खर्चों को शामिल करना कठिन लग सकता है।

मुख्य बिंदु

- बजट बनाना केवल संख्याएँ लिखना नहीं है, बल्कि निर्णय लेना और आगे की योजना बनाना भी है।
- कागज पर हानि होना, वास्तविक जीवन में हानि होने से बेहतर है।
- बजट हमें पैसा खर्च करने से पहले अपने विचारों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **वित्तीय योजना** – कार्य शुरू करने से पहले आय और खर्चों का अनुमान लगाना।
- **लागत जागरूकता** – स्थिर और परिवर्ती लागतों की पहचान करना और उनके प्रभाव को समझना।
- **निर्णय लेने की क्षमता** – कहाँ खर्च करना है, कहाँ बचत करनी है या लागत कम करनी है, यह तय करना।
- **संसाधन प्रबंधन** – सीमित धन का समझदारी से उपयोग करके व्यवसाय को टिकाऊ बनाए रखना।
- **जोखिम जागरूकता** – संभावित कमी का अनुमान लगाना और अधिक खर्च से बचना।

समीक्षा

- बजट बनाना उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने से पहले आय और खर्चों की योजना बनाने में मदद करता है।
- स्थिर लागत और परिवर्ती लागत के बीच अंतर समझने से खर्च अधिक नियंत्रित और वास्तविक बन जाता है।
- बजट तैयार करने से यह जाँचने में मदद मिलती है कि कोई विचार व्यावहारिक और वहनीय है या नहीं।

मेरी बजट शीट

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

कार्य 1: मेरी दैनिक खर्च और आय डायरी

- नियमित रूप से लिखने के लिए प्रोत्साहित करें, पूर्णता पर ज़ोर न दें।
- चिंतन से जुड़े प्रश्नों का उपयोग करके आत्म-जागरूकता विकसित करें।

कार्य 2: खरीदें और बेचें

- सुरक्षा और अभिभावकों की जानकारी/अनुमति सुनिश्चित करें।
- लाभ की राशि पर नहीं, सीखने की प्रक्रिया पर ज़ोर दें।

8.2 लाभ और हानि

उद्देश्य

- सरल सूत्रों का उपयोग करके आय और खर्चों की तुलना द्वारा लाभ या हानि की गणना करना।
- किसी व्यवसायिक विचार के वित्तीय परिणाम को समझने के लिए एक सरल लाभ–हानि विवरण तैयार करना और उसका अर्थ समझना।

मुख्य बिंदु

- लाभ और हानि उद्यमियों को सफलता को मापने और सुधार करने में मदद करते हैं।

गतिविधि 8.3(a) लाभ और हानि को समझना

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को लाभ या हानि के परिणाम साझा करने के लिए आमंत्रित करें।
- लाभ और हानि दोनों को सीखने के परिणाम के रूप में स्वीकार करें।
- सूत्रों को समझाने के लिए ब्लैकबोर्ड पर सरल उदाहरणों का उपयोग करें।
- मुख्य शब्द
  - क्रय मूल्य
  - विक्रय मूल्य
  - लाभ = विक्रय मूल्य – क्रय मूल्य
  - हानि = क्रय मूल्य – विक्रय मूल्य

गतिविधि 8.4 (b) लाभ और हानि की गणना

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थियों को अपने बजट वर्कशीट से आंकड़े इस विवरण में स्थानांतरित करने में सहायता करें।
- सुनिश्चित करें कि वे प्रत्येक पंक्ति के अर्थ को समझें।

चर्चा प्रश्न

- क्या आपके प्रोटोटाइप विचार से लाभ हुआ या हानि?

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

शिक्षार्थियों को स्पष्ट रूप से कहने के लिए प्रोत्साहित करें, जैसे:

- 'हमारे प्रोटोटाइप से ₹___ का लाभ हुआ।'
- 'हमारे प्रोटोटाइप से ₹___ की हानि हुई।'

चर्चा के प्रश्न : सोचो–जोड़ी बनाओ–साझा करो

- यदि हानि हुई, तो खर्च कम करने या विक्रय मूल्य बढ़ाने के लिए आप क्या परिवर्तन कर सकते हैं?
- यदि लाभ हुआ, तो लाभ को और बढ़ाने के लिए आप कौन-से कदम उठा सकते हैं?

मुख्य बिंदु

- चर्चा को निर्णय या आलोचना की बजाय सुधार के तरीकों की ओर ले जाएँ।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **वित्तीय विश्लेषण** – आय और खर्चों की तुलना करके लाभ या हानि निर्धारित करना।
- **संख्यात्मक साक्षरता** – मूलभूत गणनाओं को सही तरीके से लागू करना।
- **प्रदर्शन मूल्यांकन** – यह समझना कि कोई व्यवसायिक विचार आर्थिक रूप से सफल हो रहा है या नहीं।
- **सुधार की सोच** – लाभ बढ़ाने या हानि कम करने के लिए आवश्यक परिवर्तन पहचानना।
- **जिम्मेदारी** – वित्तीय परिणामों की जिम्मेदारी लेना और उनसे सीखना।

समीक्षा

- लाभ और हानि यह दिखाते हैं कि व्यवसायिक विचार सफल हो रहा है या उसमें सुधार की आवश्यकता है।
- आय और व्यय की तुलना करने से उद्यमियों को सफलता को स्पष्ट रूप से मापने में मदद मिलती है।
- एक सरल लाभ–हानि विवरण वित्तीय निर्णय लेने में आत्मविश्वास विकसित करता है।
- बचत की आदतें और चिंतन दीर्घकालिक वित्तीय जिम्मेदारी को मजबूत बनाते हैं।

साप्ताहिक कार्य

कार्य 1: मेरा बचत जार चैलेंज

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- बचत की राशि से अधिक आदत विकसित करने पर जोर दें।
- शिक्षार्थियों को अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित करें, तुलना करने के लिए नहीं।

कार्य 2: पारिवारिक वित्तीय निर्णय साक्षात्कार

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- स्पष्ट करें कि यह समझने के लिए है, मूल्यांकन के लिए नहीं।
- बचत के अलग-अलग तरीकों और विचारों को स्वीकार करें।

मुख्य बिंदु

सुविधादाता निम्न बातों का अवलोकन कर सकते हैं:

- आय और व्यय को वर्गीकृत करने की क्षमता
- लाभ या हानि की सही गणना
- चिंतन और चर्चा में सक्रिय भागीदारी
- बजट संबंधी निर्णयों की व्यावहारिक समझ

अध्याय 09

कानूनी दृष्टिकोण से उद्यमिता

W1U3T2

कालांश: 3

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय के अंत तक, शिक्षार्थी सक्षम होंगे

- व्यवसाय के पंजीकरण के महत्त्व एवं लाभों को समझने में।
- ट्रेडमार्क की अवधारणा को पहचानने तथा यह स्पष्ट करने में कि यह ब्रांड पहचान की रक्षा कैसे करता है।
- कॉपीराइट को सरल शब्दों में समझने और यह जानने में कि यह रचनात्मक कार्य की सुरक्षा क्यों करता है।
- दूसरों के कार्य का सम्मान करने तथा अपने कार्य की सुरक्षा के प्रति मूल नैतिक जागरूकता विकसित करने में।
- श्रम कानूनों के महत्त्व को समझाने और नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को पहचानने में।

Q9I3M8

पूर्व ज्ञान से जोड़ें

कक्षा 9 में, शिक्षार्थियों ने

- यह समझा है कि व्यवसाय उन नियमों और कानूनों के दायरे में काम करते हैं जो उपभोक्ताओं, श्रमिकों और उद्यमियों की रक्षा करते हैं।
- निष्पक्ष व्यापार और ईमानदार प्रथाओं की अवधारणा को सीखा है, जैसे स्पष्ट मूल्य निर्धारण, रसीद देना और पारदर्शिता बनाए रखना।
- लोगों और विचारों की रक्षा के महत्त्व को पहचाना है, जिसमें मौलिकता और दूसरों के कार्य के प्रति सम्मान सम्मिलित है।
- यह अन्वेषण किया कि बुनियादी व्यावसायिक नियमों का पालन करने से ग्राहकों और समुदाय के बीच विश्वास और आत्मविश्वास कैसे बढ़ता है।
- यह जागरूकता विकसित की कि कानूनी प्रक्रिया केवल अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता का समर्थन करती हैं।
- कानूनों को उत्तरदायी उद्यमिता के दिशा-निर्देशों के रूप में देखना आरंभ किया है, जो व्यावसायिक निर्णयों में नैतिकता, निष्पक्षता और स्थिरता को जोड़ते हैं।

अध्याय का औचित्य

यह अध्याय शिक्षार्थियों को उद्यमिता के लिए आवश्यक बुनियादी विधिक जागरूकता से सशक्त बनाता है। यह उन्हें यह समझने में सहायता करता है कि अच्छे विचारों और व्यवसायों को सुरक्षित और उत्तरदायित्व के साथ बढ़ने के लिए विधिक सुरक्षा की आवश्यकता होती है। शिक्षार्थी यह पता लगाते हैं कि व्यवसाय का पंजीकरण क्यों महत्त्वपूर्ण है, कैसे ट्रेडमार्क ब्रांड की पहचान की रक्षा कैसे करते हैं, कॉपीराइट रचनात्मक कार्य को कैसे सुरक्षित रखता है, और श्रम कानून कार्यस्थल पर निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित करते हैं। यह अध्याय नैतिक जागरूकता, दूसरों के कार्य के प्रति सम्मान और कर्मचारियों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। कुल मिलाकर, यह शिक्षार्थियों को उनके उद्यमी विचारों को आत्मविश्वास, भरोसे और कानूनी जिम्मेदारी के साथ संचालित करने के लिए तैयार करता है।

अध्याय का केंद्र बिंदु	व्यवसाय पंजीकरण, बौद्धिक संपदा और श्रम कानून
संरेखित एसडीजी (SDGs)	**SDG 16 : शांति, न्याय और मजबूत संस्थाएं** पंजीकरण, ट्रेडमार्क स्वत्वाधिकार और श्रम नियमों की समझ विधि के शासन और निष्पक्षता के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है। **SDG 8 : उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि** विधिक जागरूकता नीतिपरक उद्यमिता, निष्पक्ष नियोजन और संवहनीय व्यवसाय अभ्यासों का समर्थन करती है। **SDG 9 : उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा** विचारों और रचनात्मक कार्यों का संरक्षण नवाचार और उत्तरदायी उद्यम विकास को प्रोत्साहित करता है।
अध्याय एसडीजी (SDGs) का समर्थन कैसे करता है	विधिक जागरूकता, नीतिपरक आचरण और अधिकारों व उत्तरदायित्वों के प्रति सम्मान का निर्माण करता है।
एनईपी (NEP) 2020 के साथ संरेखण	➢ नागरिकता शिक्षा और नीतिपरक बोध का समर्थन करना, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा बल दिया गया है। ➢ आर्थिक और सामाजिक जीवन में अधिकारों, कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों की समझ विकसित करना। ➢ निष्पक्षता, विश्वास और दूसरों के कार्य के प्रति सम्मान पर केंद्रित मूल्य-आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करना। ➢ शिक्षार्थियों को विधि-सचेत, उत्तरदायी उद्यमी और नागरिक बनने के लिए तैयार करना।

9.1 व्यवसाय पंजीकरण एवं ट्रेडमार्क

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता करना कि व्यवसाय का पंजीकरण क्यों महत्वपूर्ण है।
- शिक्षार्थियों को ट्रेडमार्क को पहचानना और यह समझने में सक्षम बनाना कि वे ब्रांड की पहचान की रक्षा कैसे करते हैं।

मुख्य बिंदु

- पंजीकरण एक व्यवसाय को विधिक पहचान देता है।
- ट्रेडमार्क उस नाम, प्रतीक या चिह्न की रक्षा करते हैं जो एक ब्रांड का प्रतिनिधित्व करता है।
- संरक्षण विश्वास जगाता है और दुरुपयोग या प्रतिलिपि को रोकता है।

वार्म-अप : प्रारंभिक चर्चा

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- इस प्रश्न से आरंभ करें: 'कल्पना कीजिए कि आपने भोजन का एक स्टाल खोला, और अगले ही दिन कोई आपके नाम और व्यंजन-सूची की प्रतिलिपि बना लेता है।
- आपको कैसा अनुभव होगा?' भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को व्यक्त होने दें।
- फिर उन भावनाओं को विधिक संरक्षण की आवश्यकता से जोड़ें। फैसिलिटेटर समझाते हुए कहें : 'इसीलिए हमें व्यवसाय पंजीकरण और ट्रेडमार्क की आवश्यकता होती है।'

गतिविधि 9.1 अनुकरणीय पंजीकरण रोल -प्ले

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- शिक्षार्थियों को जोड़ियों में विभाजित करें।
- भूमिकाएँ सौंपें: उद्यमी और पंजीकरण अधिकारी।
- बोर्ड पर तीन मार्गदर्शक प्रश्न प्रदर्शित करें।
- विनम्र और औपचारिक संवाद को प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि का अंत एक प्रतीकात्मक मुहर या चिह्न के साथ करें।

मुख्य बिंदु

- उस आत्मविश्वास और उत्तरदायित्व पर को प्रोत्साहित करें जो पंजीकरण से प्राप्त होता है।
- शिक्षार्थी अनुभव करते हैं कि व्यवसाय को आधिकारिक बनाने का क्या अर्थ है।

गतिविधि 9.2 ट्रेडमार्क खोज

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- चिह्नों को बनाएँ या प्रदर्शित करें।
- शिक्षार्थियों से तर्क देने के लिए कहें कि कोई वस्तु ट्रेडमार्क क्यों है।
- इस बात को प्रोत्साहित करें कि ट्रेडमार्क ब्रांड और विश्वास से जुड़े होते हैं, सजावट से नहीं।
- शिक्षार्थियों को 2-3 पंक्तियाँ लिखने के लिए कहें। घूमकर उनकी प्रतिक्रियाओं का अवलोकन करें।

मुख्य बिंदु

- व्यवसाय का पंजीकरण करना और ट्रेडमार्क का उपयोग करना अपने घर को ताला लगाने के समान है, यह आपके कठिन परिश्रम को सुरक्षित रखता है।
- शिक्षार्थियों को सामान्य चिह्नों और ट्रेडमार्क के बीच अंतर करने में सहायता करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **विधिक साक्षरता** – व्यवसाय पंजीकरण और ब्रांड संरक्षण की आवश्यकता को समझना।
- **जोखिम प्रबंधन** – विधिक सुरक्षा के बिना कार्य करने के जोखिमों को पहचानना।
- **ब्रांड-निर्माण कौशल** – एक अद्वितीय व्यावसायिक पहचान को पहचानना और सुरक्षित करना।
- **निर्णय लेना** – स्टार्टअप को सुरक्षित करने के लिए उचित विधिक चरणों का चयन करना।
- **व्यावसायिक उत्तरदायित्व** – व्यवसाय में विश्वास, प्रामाणिकता और वैधता को महत्व देना।

समीक्षा

- विधिक पहचान एक व्यवसाय को प्रतिलिपि और दुरुपयोग से बचाती है।
- पंजीकरण ग्राहकों का विश्वास जगाता है और व्यवसाय को आधिकारिक बनाता है।
- ट्रेडमार्क ग्राहकों को एक ब्रांड को पहचानने और स्मरण रखने में सहायता करते हैं।
- एक ब्रांड की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उसे बनाना।

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

कार्य 1: लोगो स्केच

- प्रतीक-चिह्न के प्रारूप में मौलिकता को प्रोत्साहित करें।
- हाथ से बने सरल रेखाचित्रों को स्वीकार करें।

कार्य 2: अवलोकन भ्रमण

- अवलोकन भ्रमण के लिए, ब्रांडों को रटने के स्थान पर सचेत होकर देखने पर बल दें।

9.2 कॉपीराइट की समझ

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को सरल शब्दों में कॉपीराइट समझाने में सक्षम बनाना।
- शिक्षार्थियों को कॉपीराइट के उपयोग और उल्लंघन के उदाहरणों को पहचानने में सहायता करना।

मुख्य बिंदु

- कॉपीराइट सृजनात्मक कार्य की रक्षा करता है।
- अनुमति के बिना प्रतिलिपि बनाना अवैध और अनैतिक दोनों है।
- श्रेय देना और अनुमति माँगना उत्तम स्वभाव हैं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- **प्रश्न:** 'यदि आपने अपने स्टार्टअप के लिए एक बनाया है, तो क्या कोई अन्य व्यक्ति बिना पूछे इसका उपयोग कर सकता है?'
- शिक्षार्थियों की प्रतिक्रियाओं को सीधे स्वामित्व और निष्पक्षता के विचार से जोड़ें।
- **फैसिलिटेटर समझाते हैं:** 'यही वह विषय है जिसकी रक्षा कॉपीराइट करता है — आपके सृजनात्मक कार्य की।'

गतिविधि 9.3 कॉपीराइट पहचान खेल

मुख्य बिंदु

शिक्षार्थी संरक्षित सृजनात्मक कार्य और उसके उल्लंघन की पहचान करते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- मौखिक रूप से या चार्ट पेपर पर उदाहरण प्रदान करें।
- चर्चा को इस पर केंद्रित करें कि सुरक्षा की आवश्यकता क्यों है।
- विधिक दंड के विवरणों से बचें; नैतिकता और सम्मान पर ध्यान दें।
- अपने समूहों में चर्चा करें: प्रत्येक स्थिति में कॉपीराइटक्यों महत्वपूर्ण है?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

- यह उस व्यक्ति के कठिन परिश्रम और सृजनात्मकता की रक्षा करता है जिसने इसे बनाया है।
- यह सुनिश्चित करता है कि निर्माता को उनके कार्य का श्रेय मिले।
- यह दूसरों को बिना अनुमति के कार्य की प्रतिलिपि बनाने या उपयोग करने से रोकता है।
- यह निर्माताओं को उनके विचारों और प्रयासों से धन अर्जित करने में सहायता करता है।
- यह लोगों को चोरी के भय के बिना मौलिक सामग्री बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- बिना पूछे किसी और के कार्य की प्रतिलिपि बनाना अनुचित है।
- कॉपीराइट विधिक बाधाओं और संघर्षों से बचने में सहायता करता है।
- यह दूसरों के विचारों और सृजनात्मकता के प्रति सम्मान का निर्माण करता है।

गतिविधि 9.4 अपने स्टार्टअप विचार पर अनुप्रयोग

मुख्य बिंदु

- कॉपीराइट को शिक्षार्थियों के स्वयं के उद्यमी विचारों से जोड़ना।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- वास्तविक उत्तरों को प्रोत्साहित करें।
- इस बात को सुदृढ़ करें कि छोटे विचार भी सुरक्षा के पात्र हैं।

चर्चा के बिंदु

1. स्टार्टअप के लिए कॉपीराइट क्यों महत्वपूर्ण है?
2. आप यह कैसे सुनिश्चित करेंगे कि आपके कार्य की अनुमति के बिना प्रतिलिपि न बनाई जाए?

अपेक्षित शिक्षार्थी उत्तर

1. यह हमारे चिह्न (Logo), रूपरेखा (Design) या सामग्री को प्रतिलिपि होने से बचाता है। यह हमें अपने सृजनात्मक कार्य पर स्वामित्व बनाए रखने में सहायता करता है। यह दूसरों को हमारे विचारों का दुरुपयोग करने और उनसे लाभ अर्जित करने से रोकता है।
2. यदि संभव हो तो मैं अपने कार्य का विधिक पंजीकरण कराऊँगा। मैं अपनी सभी रूपरेखाओं और सामग्री पर अपना नाम या ब्रांड लगाऊँगा। मैं सुरक्षा के बिना मौलिक संचिकाओं (Files) को सार्वजनिक रूप से साझा नहीं करूँगा।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **नैतिक चिंतन** – दूसरों के सृजनात्मक कार्य और बौद्धिक संपदा का सम्मान करना।
- **मौलिकता और सृजनात्मकता** – अपने स्वयं के विचारों और सामग्री का मूल्य समझना और उनकी रक्षा करना।
- **विधिक साक्षरता** – आधारभूत कॉपीराइटअधिकारों और उल्लंघनों को समझना।
- **उत्तरदायी उपयोग** – यह सीखना कि कब और कैसे अनुमति लेनी है या श्रेय देना है।
- **डिजिटल नागरिकता** – ऑनलाइन और संचार माध्यमों में नैतिक व्यवहार करना।

समीक्षा

- सृजनात्मक कार्य का मूल्य है और वह सुरक्षा का पात्र है।
- कॉपीराइट मौलिक विचारों की अनधिकृत प्रतिलिपि और दुरुपयोग को रोकता है।
- दूसरों के कार्य का नैतिक उपयोग व्यवसाय में ईमानदारी और सम्मान का निर्माण करता है।
- सृजनात्मक संपत्तियों की सुरक्षा स्टार्टअप की पहचान और विश्वसनीयता को सुदृढ़ करती है।

ट्रेडमार्क एवं कॉपीराइट जागरूकता

साप्ताहिक कार्य

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- दूरदर्शन, चल-दूरभाष अनुप्रयोगों (mobile apps), संवेष्टन (packaging) और विज्ञापन-पत्रों से उदाहरण स्वीकार करें।
- जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें, विधि (कानून) की सूक्ष्म सटीकता पर नहीं।

9.3 रोज़गार एवं श्रम कानून

उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को यह समझने में सहायता करना कि व्यवसायों के लिए श्रम विधियाँ क्यों अनिवार्य हैं।
- शिक्षार्थियों को श्रमिकों और नियोक्ताओं के आधारभूत अधिकारों और कर्तव्यों को पहचानने में सक्षम बनाना।

मुख्य बिंदु

- व्यवसाय केवल यंत्रों से नहीं, अपितु मनुष्यों से चलते हैं।
- न्यायपूर्ण व्यवहार विश्वास, निष्ठा और उत्पादकता का निर्माण करता है।
- श्रम विधियाँ श्रमिकों और व्यवसायों दोनों की रक्षा करती हैं।

कहानी का समय — प्रिया का कैफे

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- कहानी को धीरे-धीरे पढ़ें।
- नियोक्ता और श्रमिक दोनों के प्रति समानुभूति को प्रोत्साहित करें।
- चर्चा को निष्पक्षता और स्पष्टता की ओर निर्देशित करें।

गतिविधि 9.5 — यदि मैं मालिक होता/होती...

मुख्य बिंदु

- शिक्षार्थी नियोक्ता के रूप में न्यायपूर्ण निर्णय लेने का अभ्यास करते हैं।

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- संदर्भ को स्पष्ट रूप से स्थापित करें: संक्षेप में स्थिति की व्याख्या करें।
- चिंतन को सुगम बनाएँ: साझाकरण के समय शिक्षार्थियों को अपने नियमों को उचित सिद्ध करने और यह पहचानने के लिए प्रोत्साहित करें कि क्या प्रत्येक नियम श्रमिक, व्यवसाय या दोनों को लाभ पहुँचाता है; इन उत्तरों को श्रम विधि और निष्पक्षता की संकल्पना से जोड़ें।
- सुनिश्चित करें कि प्रत्येक समूह अपने समझौते को अंतिम रूप देने से पूर्व पाँचों घटकों—कार्य के प्रकार, कार्य के घंटे, भुगतान, सुरक्षा और अनुचित व्यवहार की स्थिति में कार्यवाही—पर चर्चा करे।

गतिविधि 9.6 — लघु शोध

कक्षा द्वारा बनाए गए समझौतों को देखते समय, शिक्षार्थी उन सामान्य नियमों की पहचान कर सकते हैं जो लगभग प्रत्येक समूह की सूची में दिखाई देते हैं, जैसे समय पर भुगतान, सुरक्षित कार्यस्थल और स्पष्ट कार्य घंटे।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव

- शिक्षार्थियों को उनके समझौतों को मौलिक श्रम विधियों से जोड़ने में सहायता करें।
- इसे वास्तविकता से जोड़ें कि: 'विधियाँ सामान्य विवेक की निष्पक्षता को आधिकारिक बनाती हैं।'

गतिविधि 9.7 — त्वरित आत्म-जाँच

फैसिलिटेटर के लिए निर्देश

- इसे संपूर्ण कक्षा के क्रियाकलाप के रूप में संचालित करें।
- त्रुटिपूर्ण कथनों पर संक्षेप में चर्चा करें।
- सुरक्षा और विश्वास के लिए साझा उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करें।

फैसिलिटेटर के लिए सुझाव: स्वयं से एक वादा

- शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत वचन निष्ठापूर्वक पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करें।

विकसित उद्यमिता कौशल

- **नेतृत्व कौशल** – नियोक्ता के उत्तरदायित्वों और न्यायपूर्ण प्रबंधन को समझना।
- **नैतिक नेतृत्व** – कार्यस्थल पर निष्पक्षता, गरिमा और सम्मान का अभ्यास करना।
- **जन-प्रबंधन** – श्रमिकों के अधिकारों और नियोक्ताओं के कर्तव्यों को पहचानना।

- **निर्णय लेना** – न्यायपूर्ण कार्य नियम और समझौते बनाना।
- **सामाजिक उत्तरदायित्व** – श्रमिकों के साथ विश्वास और दीर्घकालिक संबंध बनाना।

समीक्षा

- श्रमिकों की नियुक्ति अवसर के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी लाती है।
- श्रम विधियाँ कार्यस्थल पर निष्पक्षता, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करती हैं।
- स्पष्ट नियम नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच विश्वास का निर्माण करते हैं।
- श्रमिकों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार दीर्घकालिक व्यावसायिक वृद्धि का समर्थन करता है।

अस्वीकरण

इस NEEEV शिक्षक निर्देशिका में शामिल सभी कहानियाँ वास्तविक व्यक्तियों के जीवन की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समय-सीमा या अन्य तत्व प्रस्तुत उद्यमियों के वास्तविक अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनकी यात्रा के विशेष पहलुओं को उजागर करना है, ताकि विद्यार्थी प्रेरित और उत्साहित हो सकें।

इन कहानियों का चयन केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए किया गया है और इन्हें किसी उद्यमी या उनके उद्यम के समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। State Council of Educational Research and Training (SCERT) किसी उद्यमी या उनकी कंपनी से जुड़े किसी कानूनी विवाद, चूक या विवादास्पद कार्य का समर्थन करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल एवं संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक स्वरूप की पूर्ण अनुरूपता।

NEEEV Facilitator Assessment Checklist

(To be recorded twice in a year)

April to September /October to March

Academic Year:____________ Student Name: _________________________

Class & Section: ___________

Weekly Tasks(for all classes)	Ideation (for all classes, specifically class 9) Also, in classroom activities across all classes	Teamwork (for all classes)
☐ All tasks completed on time	☐ Generated creative ideas	☐ Shared responsibilities fairly
☐ Consistent submission	☐ Contributed regularly	☐ Cooperated effectively
☐ Met deadlines	☐ Built on team ideas	☐ Positive group behaviour

Prototype Progress(specifically for class 10 and 11)	Presentation/Pitching(specifically for class 11 and 12) Applicable to other classes in classroom activities	Overall Growth
☐ Contributed to design	☐ Clear, confident delivery	☐ Accepted feedback well
☐ Tested iterations	☐ Handled Q&A effectively	☐ Showed steady improvement
☐ Met milestones	☐ Team support provided	☐ Resilient to challenges

Key Strengths: ____

Areas for Improvement: ____

Teacher Signature: ______________________________ **Date:** _____________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार

सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार

डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष- NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ. समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष- NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
डॉ. राकेश कुमार गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
सुश्री नेहा गुप्ता, प्रधान सलाहकार एवं प्रशिक्षक, ICAI
सुश्री दिव्या गुप्ता, टीजीटी (अंग्रेज़ी), जी.जी.एस.एस.एस., संख्या 1, टैगोर गार्डन, दिल्ली
श्री विवेक भारद्वाज, व्याख्याता (अंग्रेज़ी), जी.बी.एस.एस.एस., चिराग दिल्ली
सुश्री मिनाक्षी चौधरी, पीजीटी (वाणिज्य), टैगोर इंटरनेशनल स्कूल, ईस्ट ऑफ कैलाश, दिल्ली
सुश्री मानसी, फ्रीलांसर
सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली
श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

सुश्री निमी रोज़ जैकब, सहायक प्रोफेसर, जीसस एंड मैरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. धर्मेन्द्र डागर, प्रधानाचार्य, सर्वोदय विद्यालय, घुमनहेड़ा, दिल्ली

अनुवादक समूह

सुश्री नीलम सैनी, प्र. स्ना. शि. (अंग्रेजी), सर्वोदय कन्या विद्यालय, डी-ब्लॉक कामधेनु मंगोलपुरी, दिल्ली
सुश्री कृति भाटिया, प्र. स्ना.शि. (अंग्रेजी), सर्वोदय कन्या विद्यालय पूँठ कला, दिल्ली
श्री तेजपाल, टीजीटी (हिंदी), राजकीय उच्च माध्यमिक बाल विद्यालय, राज नगर पार्ट I, पालम गांव, दिल्ली

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

ISBN No. 978-93-6291-531-3

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024